MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 03 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-151

अल-नीनो आफत

भारत में कमजोर होगा मानसून

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां):
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) की बेहद महत्वपूर्ण रिपोर्ट ने दुनिया भर के पर्यावरणविदों और नीति निर्माताओं को सतर्क कर दिया है। डब्ल्यूएमओ ने आधिकारिक पुष्टि की है कि प्रशांत महासागर में अल-नीनो की स्थितियां तेजी से विकसित हो रही हैं। आने वाले महीनों में यह मौसमी बदलाव वैश्विक तापमान और बारिश के पैटर्न को पूरी तरह से बदलने को तैयार है। वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान मॉडल बताते हैं कि साल 2026 में आने वाला यह अल-नीनो सामान्य नहीं होगा, बल्कि इसके 'मध्यम से बहुत मजबूत' होने की पूरी संभावना है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पानी का असामान्य रूप से गर्म होना इस संकट को और बढ़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक वीडियो बयान जारी कर चेतावनी दी है कि अल-नीनो पहले से ही गर्म हो रही दुनिया की आग में घी डालने का काम करेगा। इसके प्रभाव बेहद गंभीर होंगे, जो बहुत तेजी से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार कर वैश्विक अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और कृषि व्यवस्था को तहस-नहस कर सकते हैं।

जून-अगस्त 2026 तक 90% की चेतावनी, समुद्र का तापमान 6 डिग्री अधिक

सरल शब्दों में कहें तो, अल-नीनो एक प्राकृतिक रूप से घटित होने वाली जलवायु घटना है, जो मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान के असामान्य रूप से गर्म होने के कारण पैदा होती है। यह 'अल-नीनो साउदर्न ऑसीलेशन' का हिस्सा है, जिसके दूसरे छोर या ठंडे चरण को ला-नीना कहा जाता है। आमतौर पर अल-नीनो हर दो से सात साल में एक बार आता है। लगभग 9 से 12 महीनों तक सक्रिय रहता है। यह साइकिल आमतौर पर मार्च और जून के बीच विकसित होना शुरू होता है। नवंबर से फरवरी के बीच अपनी चरम तीव्रता पर पहुंच जाता है। विज्ञान के अनुसार, अल-नीनो का सबसे खतरनाक असर इसके विकसित होने के दूसरे वर्ष में दिखाई देता है। इस बार, समुद्र के भीतर की स्थितियां इतनी गर्म हैं कि सतह से नीचे का तापमान औसत से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। यह गर्मी का एक बहुत बड़ा जलाशय है, जो आने वाले समय में भयंकर सूखे, भीषण गर्मी और विनाशकारी बाढ़ का कारण बनेगा। डब्ल्यूएमओ की नई अपडेट के अनुसार, जून से अगस्त 2026 के दौरान अल-नीनो के सक्रिय होने की 80 प्रतिशत संभावना है, जबकि नवंबर तक इसके जारी रहने की उम्मीद 90 प्रतिशत से भी अधिक है। इस दौरान पूरी दुनिया में एक अजीब मौसमी बदलाव देखा जाएगा। ग्लोबल सीजनल क्लाइमेट अपडेट की रिपोर्ट कहती है कि जून, जुलाई और अगस्त के महीनों में दुनिया के लगभग हर हिस्से में तापमान सामान्य से काफी ऊपर रहेगा। तापमान में होने वाली यह अप्रत्याशित वृद्धि सीधे तौर पर इंसानों में 'हीट स्ट्रेस' (गर्मी के कारण होने वाला शारीरिक तनाव) को बढ़ाएगी और कई क्षेत्रों में गंभीर सूखे की स्थिति पैदा करेगी। डब्ल्यूएमओ की महानिदेशक सेलेस्टे साउलो का कहना है कि हमें एक संभावित रूप से बेहद मजबूत अल-नीनो के लिए तैयार रहना होगा। इससे पहले साल 2023-24 में आया अल-नीनो इतिहास के पांच सबसे मजबूत अल-नीनो में से एक था, जिसने साल 2024 को अब तक का सबसे गर्म साल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब 2026 में फिर से वैसा ही खतरा मंडरा रहा है।

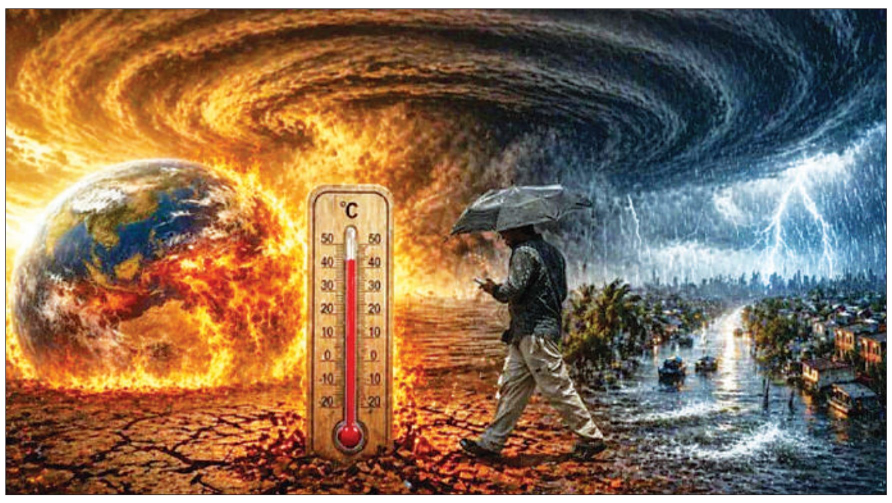

भारत और दक्षिण एशिया पर क्या होगा असर?

भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण एशिया के लिए यह रिपोर्ट किसी बड़े झटके से कम नहीं है। साउथ एशियन क्लाइमेट आउटलुक फोरम के पूर्वानुमानों का हवाला देते हुए डब्ल्यूएमओ ने स्पष्ट किया है कि अल-नीनो के प्रभाव के कारण दक्षिण एशिया में इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम होने की आशंका है। भारत जैसे कृषि-प्रधान देश के लिए मॉनसून लाइफलाइन की तरह है। यदि मानसून कमजोर रहता है, तो इसका सीधा असर फसलों के उत्पादन, पानी की उपलब्धता और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। कम बारिश के कारण सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। इसके विपरीत, दुनिया के कुछ अन्य हिस्सों जैसे दक्षिणी अमेरिका, अमेरिका के दक्षिणी हिस्सों, हॉर्न ऑफ अफ्रीका और मध्य एशिया में सामान्य से बहुत अधिक बारिश और विनाशकारी बाढ़ आने की आशंका जताई गई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मध्य अमेरिका और कैरिबियाई देशों में मौसम पूरी तरह शुष्क और गर्म रहेगा।

जलवायु परिवर्तन से क्या बढ़ रहा है खतरा?

वैज्ञानिकों ने इस बात को स्पष्ट किया है कि इस बात का कोई सीधा सबूत नहीं है कि जलवायु परिवर्तन या ग्लोबल वार्मिंग के कारण अल-नीनो आने की फ्रीक्वेंसी या इसकी ताकत बढ़ी है। अल-नीनो प्राकृतिक साइकिल है जो सदियों से चल रही है। इंसानों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग ने वातावरण और समुद्रों ▶10 पर

नेतन्याहू को ट्रंप फटकार

मैं न होता तो तुम जेल में होते

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां):
इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन पर जमकर फटकार लगाई है। न्यूयॉर्क पोस्ट की मानें तो फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने गुस्से में कई बार अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया। हाल ही में इजरायल ने दक्षिणी बेरुत में आतंकवादियों पर हवाई हमलों के आदेश दिए थे। इजरायल के इस कदम के बाद ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत से पीछे हटने की धमकी दे दी थी। 'एक्सियोस' की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान ट्रंप बेहद गुस्से में थे। उन्होंने नेतन्याहू से हिज्बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों को तुरंत रोकने के लिए कहा।

'अगर मैं न होता, तो तुम जेल में होते' - ट्रंप का तीखा बयान

एक अमेरिकी अधिकारी ने 'एक्सियोस' को इस बातचीत का ब्यौरा देते हुए ट्रंप के बयानों का सारांश बताया। अधिकारी के मुताबिक, ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा, 'तुम पूरी तरह पागल हो चुके हो। अगर मैं न होता, तो तुम आज जेल में होते। मैं तुम्हारी जान बचा रहा हूं। इस समय हर कोई तुमसे नफरत करता है। तुम्हारी इन हरकतों की वजह से आज हर कोई इजरायल से नफरत कर रहा है।' ट्रंप की नाराजगी के बावजूद नेतन्याहू अपने फैसले पर अड़े हुए हैं। इस फोन कॉल के बाद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट लिखकर इजरायल के सख्त रुख को दुनिया के सामने दोबारा दोहराया। नेतन्याहू ने कहा, 'आज रात मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की। मैंने उनसे साफ कह दिया है कि अगर हिज्बुल्लाह ने हमारे शहरों और ▶10 पर

टीएमसी से निष्कासित नेता रिजू दत्ता बोले-

हम असली तृणमूल

" पार्टी बस एक पोस्टर बनकर रह जाएगी। सिर्फ दीदी, अभिषेक बनर्जी और मुट्ठी भर पुराने विधायक उनके पुराने वफादार ही बचेंगे।

रिजू दत्ता
TMC से निलंबित नेता

कोलकाता, 02 जून (एजेंसियां):
ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस दो गुटों में बंट सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा- विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा- हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। बंगाल में टीएमसी के 80 विधायक हैं। नए गुट को मान्यता के लिए दो-तिहाई यानी 54 विधायकों की जरूरत होगी। इससे कम विधायक होने पर स्पीकर नए गुट को मान्यता नहीं देंगे। टूट का दावा करने वाले रिजू दत्ता विधायक नहीं हैं। इधर, सोमवार को टीएमसी से निकाले गए 2 विधायकों संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने कोलकाता के विधायक हॉस्टल में टीएमसी के कई विधायकों के साथ मीटिंग की। इसमें ममता के कई खास विधायक भी शामिल हुए। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा टीएमसी के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं। हमने किसी को बाहर से लाए बिना 207 का आंकड़ा छू लिया। इस बार हमारी राजनीतिक रणनीति जमीनी स्तर से शुरू हुई। हम ऐसे लोगों को अपनी पार्टी में कैसे शामिल कर सकते हैं जो दागी हैं? बीजेपी का तृणमूलीकरण कभी नहीं होगा। टीएमसी के शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि पार्टी के ज्यादातर विधायक दलबदल की अटकलों के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ ही रहेंगे और टीएमसी के पुराने नेता संगठन पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगे। ▶10 पर

धान खरीद में तेलंगाना का दबदबा : रेवंत

देश भर में 60 फीसदी राज्य की हिस्सेदारी

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को राज्य के स्थापना दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ी उपलब्धियों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा रबी (यासांगी) सीजन के दौरान देश भर में हुई कुल धान खरीद में अकेले तेलंगाना की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत रही है। उन्होंने गर्व से कहा, ''आज देश का कोई भी अन्य राज्य धान खरीद के मामले में तेलंगाना से मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि यासांगी (रबी) सीजन के दौरान देश भर में हुई कुल धान खरीद में तेलंगाना का हिस्सा 60 फीसदी है।''

किसानों के खाते में 11,903 करोड़ और नया उत्पादन रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने अब तक 63.65 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और 11,903 करोड़ सीधे किसानों के खातों में जमा किए हैं। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण जिन क्षेत्रों में फसल को नुकसान पहुंचा था, वहां किसानों को नुकसान से बचाने के लिए सरकार ने लगभग 10,000 मीट्रिक टन भीगे हुए धान की भी खरीद की है। वर्ष 2025-26 की अवधि के अनुमानों के अनुसार, तेलंगाना ने 236.87 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन का एक नया रिकॉर्ड स्तर हासिल किया है। सरकार द्वारा किसानों को दिए गए प्रोत्साहनों के कारण धान, मक्का और कपास के उत्पादन में उत्कृष्ट परिणाम मिले हैं। इसके अलावा, पशुधन और मत्स्य पालन क्षेत्रों ने भी पर्याप्त वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि अब समय की मांग है कि किसान फसल विविधीकरण (फसलों को बदलकर बोना) को अपनाएं, जिससे तेलंगाना को विविध और प्रचुर फसलों की भूमि में बदला जा सके।

कालेश्वरम परियोजना की विफलता और तुम्मिदीहेट्टी बैराज पर प्रयास

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर गोदा-वरी नदी पर तुम्मिदीहेट्टी में एक बैराज बनाने का प्रयास कर रही है। बैराज के पूरा होने के बाद महाराष्ट्र में होने वाले जलमग्न (डूब) क्षेत्र को देखते हुए पड़ोसी राज्य का सहयोग मांगने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा गया है। पिछली बीआरएस सरकार द्वारा 1 लाख करोड़ की लागत से निर्मित कालेश्वरम परियोजना अपनी पूर्णता के मात्र तीन वर्षों के भीतर ही संरचनात्मक रूप से विफल हो गई, और अब आवश्यक मरम्मत कार्य करने का पूरा बोझ वर्तमान सरकार पर आ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के मेडीगड्डा, अन्नराम और सुंदीला बैराजों पर बहाली (मरम्मत) का काम पहले ही शुरू कर दिया है।

युवाओं को सरकारी नौकरियां और शिक्षा क्षेत्र में सुधार

रोजगार के मोर्चे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार ने रिकॉर्ड समय में सरकारी विभागों में 67,763 रिक्त पदों को भरा है। उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग इसी महीने इंजीनियरिंग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन, नगर एवं ग्राम नियोजन (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) और शिक्षा विभागों में रिक्तियों को भरने के लिए अधिसूचना जारी करेगा। इन अधिसूचनाओं को जारी करने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

नई क्षेत्रीय पार्टी बनाने की तैयारी में जुटे पूर्व आईपीएस

अन्नामलाई का भाजपा से इस्तीफा

चेन्नई, 02 जून (एजेंसियां):
अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कथित तौर पर पार्टी से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने यह कदम नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष से मुलाकात के बाद उठाया है। बताया जा रहा है कि अन्नामलाई खुद की एक नई क्षेत्रीय पार्टी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उनके इस इस्तीफे ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है, क्योंकि उनके प्रस्तावित नए दल को एक धर्मनिरपेक्ष और तमिलनाडु केंद्रित दृष्टिकोण वाली पार्टी के रूप में पेश किया जा सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में, जहां हालिया चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक ने युवाओं के बीच अपनी लोकप्रियता खोई है, अन्नामलाई की पार्टी लोगों को आकर्षित कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तमिलनाडु में सत्ता में आने के बाद तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के ▶10 पर

डीके युग का आग़ाज़ आज

10-12 मंत्री भी लेंगे शपथ

बेंगलुरु, 02 जून (एजेंसियां):
कर्नाटक के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में शाम 4.05 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। उनके साथ 10 से 12 विधायक भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। कैबिनेट को लेकर मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया ने बैठक की थी। इस बैठक में मंत्री बनने वालों के नाम फाइनल किए गए हैं। डीके शिवकुमार को 30 मई को विधायक दल का नेता चुना गया था। इससे पहले पिछले कुछ महीने से उनकी सिद्धारमैया के साथ सत्ता को लेकर खींचतान चल रही थी। कांग्रेस हाईकमान के आदेश पर सिद्धारमैया ने पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। अब आखिरकार डीके शिवकुमार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। शपथ ग्रहण से पहले मंगलवार को उन्होंने गांधी परिवार का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही वह आज यहां तक पहुंचे हैं।

कैबिनेट को लेकर दिल्ली में मंथन

कर्नाटक की नई सरकार में कौन-कौन बनेगा मंत्री? इसे लेकर आधिकारिक तौर पर अब तक कुछ साफ नहीं हो पाया है। कैबिनेट को लेकर मंगलवार को दिल्ली में बैठकों का दौर जारी रहा। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया थे। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि डीके की कैबिनेट में नए और पुराने चेहरों का मिश्रण देखने को मिल सकता है। जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सिद्धरमैया समर्थक नेताओं को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाने की कोशिश की जाएगी। यह भी चर्चा है कि एक से ज्यादा डिप्टी सीएम ▶10 पर

एक आकांक्षी नेपाल और उभरता भारत फिर से कैसे जुड़ सकते हैं: रवि लामिछाने

काठमांडू

गैरदलीय पेशेवरों और नए राजनीतिक चेहरों द्वारा स्थापित एक राजनीतिक दल का चार वर्ष से भी कम समय में संसद में लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लेना और दुनिया के सबसे युवा प्रधानमंत्री का चुनाव होना राजनीतिक इतिहास की कोई सामान्य घटना नहीं है। इसलिए नेपाल में क्या हो रहा है और यह देश किस दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसे लेकर वैश्विक स्तर पर उत्सुकता स्वाभाविक है। एक हजार मील से अधिक लंबी साझा सीमा वाले निकटतम पड़ोसी भारत में यह जिज्ञासा और भी अधिक स्वाभाविक है। -मंगलवार से भारत का औपचारिक भ्रमण शुरू करने से पहले राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने द्वारा मीडिया को भेजे गये संदेश में यह बात कही गई है।

संदेश में कहा गया है कि नेपाल के इस परिवर्तन की कहानी सड़क हिंसा, सैन्य तख्तापलट, विदेशी हस्तक्षेप या संवैधानिक संकट की कहानी नहीं है। यह एक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मतपेटी क्रांति की कहानी है। ऐसे समय में जब दुनिया के कई समाज ध्रुवीकरण, सत्ता के प्रति अविश्वास और भ्रष्ट राजनीति से जूझ रहे हैं तथा गैर-लोकतांत्रिक विकल्पों की ओर झुक रहे हैं, नेपाल ने यह साबित किया है कि लोकतंत्र अब भी परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। आज का नेपाल किसी अनिश्चित भविष्य की ओर नहीं बढ़ रहा, बल्कि एक समृद्ध और जीवंत लोकतंत्र के अत्यंत महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को अपना रहा है। हमारे मूल सिद्धांत सरल हैं—सुशासन, विकास और जनता के प्रति प्रत्यक्ष जवाबदेही।

नई राजनीतिक वास्तविकता - राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी नेपाल की नई राजनीतिक वास्तविकता है। यह एक युवा शक्ति है जिसने वर्षों से जकड़ी हुई राजनीतिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी है। इसने युवाओं को परिणाम-आधारित राजनीति से जोड़ा है और देश के लिए एक नई दृष्टि प्रस्तुत की है। हम जानते हैं कि रास्वपा को मिले मत आक्रोश और आशा दोनों का मिश्रण हैं, जो परिवर्तन के लिए मिले अभूतपूर्व जनादेश में समाहित हैं। यही कारण है कि युवा, समावेशी और स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार जनता का विश्वास जीतने में सफल हुए।

हमारी विदेश नीति को नया स्वरूप देने के लिए सबसे बड़ी पूंजी हमारे पास यह है कि हम अतीत के बोझ से मुक्त हैं। हम पुरानी शत्रुताओं और पूर्वाग्रहों से बंधे नहीं हैं। हम जनता के स्तर पर बने संबंधों और संप्रभु समझौतों का सम्मान करते हैं, लेकिन अतीत के नेताओं की बंद कमरों में हुई सौदेबाजी से नहीं बंधे हैं। हम भारत और दुनिया को खुले मन, स्पष्ट दृष्टि और पारदर्शी एजेंडे के साथ देखते हैं। हमारा एजेंडा है—नेपाल का आर्थिक रूपांतरण।

नेपाल और भारत केवल दो देश नहीं हैं; हम एक गौरवशाली और प्राचीन सभ्यता के साझेदार हैं। भगवान राम की कथा तभी पूर्ण होती है जब जनकपुर और अयोध्या जुड़े हों। आस्था तब पूर्ण होती है जब पशुपतिनाथ मंदिर और केदारनाथ मंदिर को साथ देखा जाए। इसी तरह एक महान सभ्यता की नींव लुम्बिनी और बोधगया के आध्यात्मिक संबंध से मजबूत होती है। फिर भी, हम अतीत की उपलब्धियों में खोना नहीं चाहते और न ही अपनी कमियों को पुराने नारों के पीछे छिपाना चाहते हैं। हम यह देखने के बजाय कि हमारे संबंधों ने अब तक क्या हासिल किया है, इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं कि वे भविष्य में क्या हासिल कर सकते हैं। केवल सीमाएं नहीं, अर्थव्यवस्थाएं भी जुड़ें जब हम सीमा के पार देखते हैं, तो हमें एक ऐसा भारत दिखाई देता है जिसने स्वयं को पुनर्परिभाषित किया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में वीरगंज मेयर दूसरे की बेटी को अपना बताकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप में गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल की आर्थिक राजधानी वीरगंज के मेयर राजेशमान सिंह को पुलिस ने मंगलवार सुबह पर्सा जिले के ठोरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एक रिसार्ट से दबोचा गया। उन्हें किसी अन्य व्यक्ति की बेटी को अपनी बताकर उसका जन्म प्रमाणपत्र बनवाने और इसी आधार पर उसके नागरिकता दिलाने और उसका पासपोर्ट बनवाकर उसे विदेश भेजने का आरोप है। जिला प्रहरी कार्यालय पर्सा प्रमुख सुदीपराज पाठक ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी पाठक ने बताया कि मेयर सिंह को जिला अदालत पर्सा द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के आठ दिन बाद गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस संबंध में मेयर सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मेयर सिंह गिरफ्तारी की अनुमति मिलने के बाद एक दिन अदालत में उपस्थित हुए, लेकिन बाद में फरार हो गए थे। नेपाल में इस अपराध में दोष सिद्ध होने पर 7 वर्ष तक की कैद और 70 हजार नेपाली रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

तो...वेंटिलेटर पर पहुंच जाएगी पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था मध्य पूर्व में जारी तनाव से बन रहे हालात

तेहरान। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने स्ट्रेट आफ होर्मुज के बाद अब दुनिया के एक और सबसे प्रमुख जलमार्ग को बंद करने की खुली धमकी देकर वैश्विक स्तर पर खलबली पैदा कर दी है। ईरान, लेबनान पर हुए ताजा हमलों को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाए हुए है। उसका साफ कहना है कि इसे सीजफायर का सीधा उल्लंघन माना जाएगा और यदि इन हमलों को तुरंत नहीं रोका गया, तो पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मचना निश्चित है। ईरान ने चेतावनी दी है कि इसके जवाब में इजरायल और अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी और वह बाब-अल-मंदेब जलमार्ग को भी पूरी तरह ठप कर देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईरान की यह धमकी सच साबित हुई, तो पहले से ही मंदी और संकट से जूझ रही वैश्विक अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डूबने की कगार पर आकर खड़ी हो जाएगी। ईरानी सैन्य बलों के वरिष्ठ कमांडर ने सोमवार को साफ किया कि अगर लेबनान और गाजा में सैन्य कार्रवाइयां इसी तरह जारी रहीं, तो ईरान समर्थित एक्सिस आफ रेजिस्टेंस (प्रतिरोध की धुरी) जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। इस समूह में लेबनान का हिजबुल्लाह, यमन के हुती विद्रोही और गाजा का हमास जैसे संगठन शामिल हैं। ईरान की योजना बाब-अल-मंदेब पर भी स्ट्रेट आफ होर्मुज की तरह कड़ा पहरा लगाने की है। अरबी भाषा में बाब-अल-मंदेब का अर्थ आंसुओं का दरवाजा होता है। यह लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच स्थित एक बेहद संकरा और रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जो स्वेज नहर के जरिए एशिया को सीधे यूरोप से जोड़ता है। यमन और अफ्रीकी देशों के बीच स्थित इस मार्ग की चौड़ाई कुछ जगहों पर महज 26 से 29 किलोमीटर ही है, जहाँ से दुनिया के तमाम बड़े कमर्शियल जहाज गुजरते हैं।

अमेरिका में भारतीय ड्राइवरों की धरपकड़ शुरू, 30 गिरफ्तार आपरेशन चेकमेट के तहत सभी डिपोर्ट होंगे

वाशिंगटन। अमेरिका में आपरेशन चेकमेट के तहत भारतीय ड्राइवरों की धड़पकड़ शुरु हो गई है। अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों और बिना वैध दस्तावेजों के कमर्शियल वाहन चलाने वालों के खिलाफ वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा और कड़ा अभियान शुरू किया है। इस विशेष अभियान को आपरेशन चेकमेट नाम दिया गया है, जिसके तहत हाल ही में अमेरिकी बार्डर पेट्रोल ने एरिजोना में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई के दौरान कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें से 36 लोग ऐसे हैं जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे और वहां की सड़कों पर बड़े कमर्शियल सेमी-ट्रक चला रहे थे। जांच में जो सबसे चौंकाने वाला और बड़ा खुलासा हुआ है, वह यह है कि इन 36 अवैध ट्रक ड्राइवरों में से कम से कम 30 ड्राइवर भारतीय नागरिक हैं। इस बड़ी धरपकड़ के बाद अब इन सभी भारतीय नागरिकों के ऊपर अमेरिका से डिपोर्टेशन यानी देश निकाले की तलवार लटक रही है और अमेरिकी प्रशासन उन्हें वापस भारत भेजने की कानूनी तैयारी में जुट गया है। बाकी के छह ड्राइवर मैक्सिको, अल साल्वाडोर और रूस के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

नेपाल अमेरिका का महत्वपूर्ण व मजबूत साझेदार : अमेरिकी मंत्री सारा रोजर्स

काठमांडू

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में सार्वजनिक कूटनीति संबंधी उप विदेशमंत्री सारा बी. रोजर्स ने कहा है कि अमेरिका नेपाल को एक महत्वपूर्ण और मजबूत साझेदार के रूप में देखता है। उन्होंने नेपाल के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास, एमसीसी परियोजना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भू-राजनीतिक मुद्दों पर अमेरिका की स्पष्ट धारणा भी रखी।

तीन दिवसीय नेपाल यात्रा पर आईं रोजर्स ने अपनी यात्रा की समाप्ति से पहले मंगलवार को काठमांडू में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में कहा कि उनकी नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल और सूचना एवं संचार मंत्री डा. विक्रम तिमिल्सिना के साथ हुई बैठकें बेहद उपयोगी रहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका नेपाल के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, कारोबारी वातावरण में सुधार लाने और डिजिटल पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोजर्स ने कहा कि नेपाल में नवाचार और आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने नेपाल के प्रौद्योगिकी क्षेत्र की तुलना सिलिकान वैली जैसी संभावनाओं से करते हुए कहा, हम चाहते हैं कि नेपाल में ऐसा अनुकूल कारोबारी वातावरण बने, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटरों में निवेश बढ़ सके। पत्रकार सम्मेलन के दौरान जब नेपाल में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के प्रवेश को लेकर सवाल पूछा गया, तो रोजर्स ने कहा कि अमेरिका नेपाल की आंतरिक प्रक्रियाओं और उसकी संप्रभुता का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने कहा, अमेरिकी कंपनियां नेपाल में कब और कैसे व्यवसाय करेंगी, यह नेपाल और संबंधित कंपनियों पर निर्भर करता है।

लेकिन हम नेपाल में इंटरनेट कनेक्टिविटी का और अधिक विस्तार होते देखना चाहेंगे। रोजर्स ने 55 करोड़ डालर की मिलेनियम चैलेंज कारपोरेशन (एमसीसी) परियोजना को नेपाल की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निवेश बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्यान्वयन चरण में पहुंच चुकी इस परियोजना को नेपाल सरकार प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी, इस पर उन्हें पूरा विश्वास है। उन्होंने यह भी बताया कि एमसीसी केवल अमेरिकी सहायता कार्यक्रम नहीं, बल्कि वास्तविक साझेदारी का उदाहरण है, क्योंकि इसमें नेपाल भी लगभग 19 करोड़ 70 लाख डालर का निवेश कर रहा है। रोजर्स ने अमेरिकी विदेश सहायता व्यवस्था में हुए बदलाव की जानकारी देते हुए कहा कि अब यूएसएआईडी अलग एजेंसी के रूप में मौजूद नहीं है और इसकी गतिविधियां विदेश मंत्रालय के अंतर्गत नए विदेशी सहायता कार्यालय के माध्यम से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका अब केवल सहायता देने की नीति नहीं, बल्कि व्यापार और साझेदारी आधारित संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है। हम देशों के साथ समान स्तर पर समझौते करना चाहते हैं, केवल धन देकर लौटना नहीं चाहते।

ट्रंप प्रशासन में शामिल होने से पहले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की समर्थक और सेंसरशिप विरोधी वकील के रूप में काम कर चुकी रोजर्स ने इंटरनेट सेंसरशिप की कड़ी आलोचना की। नेपाल सरकार द्वारा डिजिटल स्पेस को विनियमित करने के प्रयासों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि सरकार को यह तय नहीं करना चाहिए कि नागरिक क्या सोचें या क्या देखें। उन्होंने कहा कि सूचना एवं संचार मंत्री के साथ हुई बैठक में प्रौद्योगिकी की स्वतंत्रता और सोशल मीडिया के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। उनका मानना है कि 8-9 सितंबर को हुआ जेनजी आंदोलन भी इंटरनेट सेंसरशिप के खिलाफ जन असंतोष का एक उदाहरण था। रोजर्स ने कहा, लोग स्वतंत्र रूप से संवाद करना चाहते हैं। जब यह स्वतंत्रता छीनी जाती है तो विरोध होता है। यह नेपाल में भी हुआ और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी होता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकार कोई नियमन ही न करे। उन्होंने कहा कि तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर निर्णय नेपाल सरकार और संबंधित अमेरिकी कंपनियों के बीच का विषय है। रोजर्स ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि धोखाधड़ी या बाल यौन शोषण जैसे अपराधों पर कार्रवाई न हो। लेकिन खराब विचारों या प्रचार को रोकने के नाम पर सेंसरशिप नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि गलत सूचना (मिसइन्फार्मेशन) और डीपफेक जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक प्रभावी उपकरण साबित हो सकता है। नेपाल में अमेरिका, चीन और भारत के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में रोजर्स ने कहा कि अमेरिका का ध्यान केवल नेपाल-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका नेपाल के साथ आर्थिक, तकनीकी और लोकतांत्रिक सहयोग को आगे बढ़ाने में रुचि रखता है तथा उसका उद्देश्य किसी भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनना नहीं है।

ईरान ने फिर होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद करने की धमकी दी

तेहरान

मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्ग, स्ट्रेट आफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद करने की धमकी दी है। इस फैसले से वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह न केवल होर्मुज स्ट्रेट को ब्लाक करने का इरादा रखता है, बल्कि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट समेत अन्य मोर्चों को भी सक्रिय करने की पूरी तैयारी कर रहा है। ईरान का यह आक्रामक कदम इजरायल द्वारा लेबनान में की जा रही सैन्य कार्रवाइयों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, ईरान ने लेबनान में संघर्षविराम की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए अमेरिका के साथ जारी अपनी अप्रत्यक्ष बातचीत को भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। बता दें कि स्ट्रेट आफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार का सबसे मुख्य गलियारा है, जहाँ से हर रोज करोड़ों बैरल कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान अपनी धमकी पर अमल करते हुए इसे ब्लाक कर देता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आना तय है। इसका सीधा और सबसे बड़ा असर भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों पर पड़ेगा।

वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर खतरा

भारत अपनी तेल की अधिकांश जरूरतों के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। इस मार्ग के बंद होने से न केवल ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित होगी, बल्कि देश में महंगाई भी तेजी से बढ़ सकती है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संवेदनशील घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं। ईरानी अधिकारियों का साफ कहना है कि जब तक इजरायल गाजा और लेबनान से अपनी सेना पूरी तरह वापस नहीं बुलाता, तब तक किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं होगी। ईरान के अनुसार, उसके प्रतिरोध मोर्चे ने इजरायल और उसके सहयोगी देशों को कड़ा सबक सिखाने के लिए होर्मुज को पूरी तरह बंद करने और नए रणनीतिक मोर्चे खोलने का फैसला किया है। वर्तमान में स्थिति यह है कि लेबनान में इजरायली सेना पिछले 26 वर्षों में सबसे गहरी घुसपैठ कर चुकी है और बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर उसके हमले लगातार तेज हो रहे हैं।

इस सैन्य कार्रवाई के जवाब में हिजबुल्लाह भी उत्तरी इजरायल पर लगातार राकेट दाग रहा है। ईरान इस पूरी स्थिति को इजरायली अपराधों का हिस्सा मान रहा है और उसका दावा है कि अब एक नया मोर्चा खुलने वाला है। इस नाजुक स्थिति ने पूरे मध्य पूर्व को अत्यधिक अस्थिर कर दिया है और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अमेरिका में एक ही परिवार के 6 सदस्यों समेत 7 को गोलियों से भूना, मौत

वाशिंगटन। अमेरिका का आयोवा राज्य सोमवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। यहाँ के मुस्काटीन शहर में कई स्थानों पर हुई भीषण गोलीबारी में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक संदिग्ध हमलावर ने अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग करके 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में पुलिस घेराबंदी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूरी घटना एक गंभीर पारिवारिक विवाद का नतीजा हो सकती है और सभी मृतक आरोपी के ही परिवार के सदस्य थे। यह दिल दहला देने वाली वारदात दोपहर के वक्त घटित हुई, जब हमलावर ने शहर के दो अलग-अलग घरों और एक दुकान में जबरन घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे विभाग को गोलीबारी की सूचना मिली थी। जब तक पुलिस बल मौके पर पहुँचा, तब तक काफी देर हो चुकी थी और प्राथमिक घटनास्थल से चार लोगों के शव बरामद किए गए। वारदात को अंजाम देने के बाद 52 वर्षीय संदिग्ध आरोपी रयान विलिस मैकफारलैंड मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने तुरंत व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर उसे एक स्थान पर खोज निकाला।

बांग्लादेश में तालाब के घाट से बच्ची को खींच ले गया मगरमच्छ

ढाका (बांग्लादेश)

देश में बागेरहाट की ऐतिहासिक खान जहान (आर.) दरगाह के तालाब में रातभर एक सात साल की बच्ची की तलाश की गई। इस बच्ची को नहाते समय मगरमच्छ खींचकर ले गया है। यह घटना तालाब के महिला घाट पर सोमवार रात करीब 8:30 बजे हुई। इसके तुरंत बाद, दमकल विभाग के कर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। राजधानी ढाका से बागेरहाट की दूरी सड़क मार्ग से लगभग 225 किलोमीटर है। फिलहाल बच्ची का कोई अता-पता नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, मजार के मुख्य खादिम फकीर तारिकुल इस्लाम ने बताया कि बच्ची का नाम फातिमा है। वह अपनी मां के साथ मजार पर ही रहती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्ची तालाब में नहाने गई। तालाब में पला मगरमच्छ अचानक उसे खींचकर ले गया। बागेरहाट फायर सर्विस के स्टेशन अधिकारी शेख मामुनुर राशिद ने बताया कि रात 10:30 बजे तक भी बच्ची नहीं मिल पाई और बचाव कार्य जारी है।

खादिम ने बताया कि पीड़ित बच्ची की मां विकलांग है। दोनों दरगाह के पास लंबे समय से रह रही हैं। बागेरहाट-2 के सांसद शेख मंजुरुल हक (रहाद), जिला उपायुक्त गुलाम मोहम्मद बातेन और पुलिस अधीक्षक हसन मोहम्मद नासर रिकाबदर ने घटनास्थल का दौरा किया। एक प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया, हम घाट के ऊपर थे। लड़की महिलाओं के घाट पर नीचे गई। तभी अचानक मगरमच्छ ने उसके पांव को अपने मुंह में भर लिया और पानी की गहराई की तरफ खींच ले गया। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोग घाट की तरफ दौड़े। कुछ लोग बच्ची को बचाने के लिए नाव लेकर तालाब पर गए। लेकिन, कोई पता नहीं चला।

फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के बागेरहाट के स्टेशन आफिसर शेख मामुनूर राशिद ने पत्रकारों से कहा कि मगरमच्छ हिंसक होते हैं। इसलिए बचावकर्मियों का पानी में नीचे जाना जोखिम भरा हो सकता है। रात का समय है। फिर भी, हम अभी भी बच्ची को खोज कर रहे हैं। इससे पहले अप्रैल में इसी तालाब में मगरमच्छ के कुत्ते को घसीटने की घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। उस समय इलाके के तालाब में मगरमच्छ रखने पर सवाल उठे थे। इस तालाब में मगरमच्छ पालने की लंबी परंपरा है। लेकिन इस तालाब में अभी जो मादा मगरमच्छ है, वह खानजहां के जमाने के मगरमच्छ की वंशज नहीं है।

कहा जाता है कि हजरत खानजहां अली ने इस तालाब का निर्माण कराया था। इसके बाद उन्होंने मगरमच्छों का एक जोड़ा छोड़ा। बाद में, उन्होंने नर मगरमच्छ का नाम काला पहाड़ और मादा मगरमच्छ का नाम ढाला पहाड़ रखा। उसके बाद उनके वंशजों ने भी इस परंपरा का पालन किया। उनके आखिरी वंशज की मौत फरवरी 2015 में हो चुकी है। 2005 में, भारत से कुछ मगरमच्छ लाकर इस तालाब में छोड़े गए थे।

सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री के विवादित बयान पर पार्टी में मतभेद, मुश्किल में आरएसपी

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस विवादित बयान को लेकर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के भीतर मतभेद उभरकर सामने आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किया है। पार्टी के एक वर्ग ने इस बयान को वापस लेने और संसद में राष्ट्र से माफी मांगने की वकालत की है।

आरएसपी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री को अपना बयान वापस लेकर संसद के माध्यम से देश से क्षमा मांगनी चाहिए। वहीं प्रधानमंत्री के निकट माने जाने वाले नेताओं का एक अन्य समूह इस कदम के पक्ष में नहीं है।

रविवार को प्रतिनिधि सभा में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए बयान के बाद विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी और भारत-नेपाल सीमा विवाद के मुद्दे पर नई बहस शुरू हो गई थी। इसी के बाद पार्टी के भीतर यह विवाद उभरकर सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने ने पार्टी नेताओं को निर्देश दिया है कि जब तक पार्टी की आधिकारिक धारणा तय नहीं हो जाती, तब तक वे इस मुद्दे पर सार्वजनिक टिप्पणी न करें। हालांकि इस निर्देश के बावजूद पार्टी की सांसद रञ्जु दर्शना और सांसद आशिका तामाङ सहित कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री के बयान पर असहमति जताई है। आरएसपी सांसद एवं अधिवक्ता यज्ञमणि न्यौपाने ने सीमा संबंधी विषयों पर चर्चा करते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। प्रधानमंत्री की मंशा का बचाव करते हुए उन्होंने संकेत दिया कि संभवतः यह टिप्पणी पर्याप्त तैयारी के बिना कर दी गई थी। न्यौपाने ने कहा, प्रधानमंत्री का आशय शायद बिल्कुल वही बात कहने का नहीं था। सीमा विवाद जैसे विषयों पर सभी को गंभीर रहना चाहिए। उन्होंने निष्कर्ष निकालने से पहले प्रधानमंत्री के पूरे वक्तव्य के संदर्भ को समझने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस बीच विपक्षी दलों—नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले), राष्ट्रीय प्रजातन्त्र पार्टी तथा अन्य दलों—ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री से माफी मांगने और उनके बयान को संसदीय अभिलेख से हटाने की मांग की है। आरएसपी के कई सांसद निजी तौर पर मानते हैं कि बयान में सुधार किया जाना चाहिए, लेकिन अनुशासनात्मक कार्रवाई की आशंका के कारण वे सार्वजनिक रूप से बोलने से बच रहे हैं। सोमवार सुबह रवि लामिछाने के भारत रवाना होने से पहले पार्टी सचिवालय की एक वर्चुअल बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कई सदस्यों ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी राष्ट्रीय विवाद का विषय बन चुकी है और इस पर स्पष्टीकरण आवश्यक है। एक सचिवालय सदस्य के अनुसार, अधिकांश प्रतिभागियों ने कहा कि सीमा विवादों का समाधान कूटनीतिक माध्यमों से किया जाना चाहिए और नदी के बहाव में अस्थायी परिवर्तन या तकनीकी सीमा संबंधी मुद्दों को क्षेत्रीय अतिक्रमण के रूप में वर्णित नहीं किया जाना चाहिए। चर्चा के दौरान पार्टी प्रवक्ता मनीष झा ने कथित तौर पर इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पार्टी नेताओं को मीडिया के सवालों का जवाब किस प्रकार देना चाहिए। रवि लामिछाने ने बैठक में कहा कि सीमा संबंधी मुद्दे दलगत राजनीति नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित के विषय हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी को व्यक्तिगत व्याख्या देने के बजाय नेपाल के विदेश मंत्रालय की आधिकारिक नीति के अनुरूप अपनी स्थिति रखनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा– इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरूरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए । अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना–फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने–चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जून 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 09:24 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 01:00 तक
योग : शुभ प्रात: 08:11 तक
करण : वणिज प्रात: 08:15 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:343 सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:27 , भद्रा प्रात: 08:11 से रात्रि 09:20 तक ,अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बाबू जगजीवन राम सरकारी डिग्री कॉलेज में मनाया गया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नारायणगुड़ा स्थित बाबू जगजीवन राम सरकारी डिग्री कॉलेज (स्वायत्त) में मंगलवार को प्राचार्य कैप्टन प्रो. एम. विजय कुमार की अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

समारोह की शुरुआत एनसीसी अधिकारी डॉ. मुथैया के नेतृत्व में कैडेटों की आकर्षक परेड से हुई, जिसने उपस्थित जनसमूह का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर तेलंगाना आंदोलन के इतिहास और उसकी गौरवगाथा पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जे. गंगाधर ने कहा कि पानी, संसाधनों और रोजगार में न्यायसंगत हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता के परिणामस्वरूप तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था।

वहीं श्रीवाटी श्रीनाथ पटेल ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन क्षेत्रों में उपलब्ध अवसर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अपने मुख्य संबोधन में प्राचार्य प्रो. विजय कुमार ने कहा कि आज तेलंगाना 'राइजिंग तेलंगाना–2047' के लक्ष्य के साथ विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है और देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि धान उत्पादन में तेलंगाना देश में अग्रणी स्थान पर है तथा राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षिक योजनाओं और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से रोजगार के बेहतर अवसर सृजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उप–प्राचार्य प्रो. कलुवला श्रीनिवास, पी. सत्यनारायण रेड्डी, प्रो. भिक्षपति, प्रो. राजशेखर, प्रो. गोविंद देशमुख, डॉ. सी. राजेश्वर, डॉ. मनोज कुमार, सी.वी.एल. नारायण, डॉ. रविचंद्र, पी. गिरिधर, दत्तासाई, पंडरीनाथ, वेंकट रेड्डी, डॉ. रविकुमार, डॉ. सूर्य कुमारी, डॉ. गीता, चेन्नूर अरुणा, लखोंडे ज्योति, नागरत्नम्मा उमा तथा डॉ. पद्मजा के नेतृत्व में प्रस्तुत तेलंगाना के लोकगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

समारोह में गैर–शिक्षण कर्मचारियों में सौम्या, खासीम, वेंकटेश, गोवर्धन, रज्जाक एवं मुर्तुजा सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन तेलंगाना के विकास, समृद्धि और सांस्कृतिक विरासत के प्रति प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ।

मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास कवर पार्क पर तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से निरंतर अन्नदान एवं जनसेवा के विभिन्न कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत करना भी है।

उन्होंने तेलंगाना स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस राज्य के विकास, प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है। हम सभी का कर्तव्य है कि अपने राज्य और समाज के उत्थान में यथासंभव योगदान दें। राधे–राधे ग्रुप भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से अन्नदान, सामाजिक सेवा और जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

कार्यक्रम में आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा, संजय गुप्ता, उमा डालमिया, अजय गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, काली गुप्ता, तृषा गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से सेवाएं प्रदान कीं। सभी सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन समाज में सुख, शांति, समृद्धि और भाईचारे की कामना के साथ हुआ।

गोविंदगढ़ से वृंदावन तक निकली विशाल सनातन पदयात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

नई दिल्ली, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजधानी नई दिल्ली के निकट हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे जेवर तहसील स्थित गोविंदगढ़ क्षेत्र से सनातन संस्कृति, राष्ट्र चेतना और हिंदू एकता के संकल्प के साथ एक भव्य सनातन पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। यह विशाल यात्रा भगवान श्रीकृष्ण की पावन नगरी वृंदावन के लिए रवाना हुई, जिसमें देशभर के महामंडलेश्वर, अखाड़ा प्रमुख, धर्माचार्य, संत–महात्मा, कथावाचक, समाजसेवी, युवा, श्रद्धालु तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने सहभागिता की।

जय श्रीराम और जय सनातन के गगनभेदी उद्घोषों के बीच निकली इस पदयात्रा में हजारों श्रद्धालु पैदल, मोटरसाइकिलों, स्कूटरों, बसों, ट्रैक्टर–ट्रॉलियों एवं अन्य वाहनों के माध्यम से शामिल हुए। यात्रा के दौरान ढोल–नगाड़ों, बैंड–बाजों, डीजे और आकर्षक झांकियों ने धार्मिक एवं उत्सवी वातावरण का निर्माण किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात उद्योगपति, समाजसेवी एवं गोयल मेडिकोज के संस्थापक डॉ. बसंत गोयल ने भी पदयात्रा में भाग लेते हुए इसे सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र जागरण का महत्वपूर्ण अभियान बताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का सशक्त प्रतीक है।

यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने बुलडोजरों से पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया। पदयात्रियों के लिए भोजन प्रसाद, हलवा प्रसाद, मीठे जल की छबील तथा चाय–नाश्ते की व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सुरक्षा के भी व्यापक प्रबंध किए गए।

डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि ''एक ध्येय, एक मंत्र और एक संकल्प'' के संदेश के साथ निकली यह यात्रा समाज में धर्म, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऐसी यात्राएं युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

यह पदयात्रा गोविंदगढ़ (जेवर) से प्रारंभ होकर जेवर, हमीदपुर, टप्पल, कंसेरा, बाजना, नोहझील और माट सहित विभिन्न स्थानों से होती हुई वृंदावन पहुंचेगी। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर धर्माचार्य एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा सामाजिक एकता, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्रहित में कार्य करने का संदेश दिया जा रहा है।

इस आयोजन के संचालन एवं प्रचार–प्रसार में सन्नी चौधरी, प्रदीप ढाका एवं मन्नू पहाड़ी की सक्रिय भूमिका रही। आयोजकों ने सभी सनातन प्रेमियों और युवाओं से इस अभियान में सहभागी बनने तथा संस्कृति, राष्ट्र चेतना और सामाजिक एकता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बांसवाड़ा, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एक्टिविस्ट्स फोरम के तत्वावधान में सोमवार को तेलंगाना राज्य गठन की 13वीं वर्षगांठ बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मंडल अध्यक्ष कलवा श्याम द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर की गई। इसके उपरांत तेलंगाना आंदोलन के शहीदों की स्मृति में शहीद स्तूप पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा कुछ समय का मौन रखकर उन्हें नमन किया गया। साथ ही तेलंगाना के प्रख्यात विचारक एवं आंदोलन के प्रेरणास्रोत प्रो. के. जयशंकर को भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर वक्ताओं ने तेलंगाना आंदोलन के संघर्ष, बलिदान और राज्य की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए शहीदों के सपनों के अनुरूप राज्य के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में तेलंगाना एक्टिविस्ट्स फोरम के जिला अध्यक्ष उदुथा गंगाधर गुप्ता, राज्य सचिव गंजी चंदू, भास्कर गौड़, दत्तू, गैनी गंगाराम, महेश, कृष्णा, डी. गंगाराम, बाबा गौड़, बसवराज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं आंदोलनकारियों ने भाग लिया। समारोह का समापन तेलंगाना के विकास एवं समृद्धि की कामना के साथ किया गया।

विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

बांसवाड़ा, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य गठन दिवस के अवसर पर तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने अपने आवास तथा विधायक कैंप कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।कार्यक्रम में राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) रविंदर रेड्डी, बांसवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कसुला विजयलक्ष्मी, बांसवाड़ा टाउन एवं ग्रामीण सर्कल इंस्पेक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ तथा उपस्थित लोगों ने राज्य की उन्नति और खुशहाली के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा ने प्रदेश कार्यालय में मनाया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया संयोजक मुकेश चौहान जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तेलंगाना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर समारोह भव्यता एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के गायन से हुआ, जिसके पश्चात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, विधायकगण, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, प्रदेश महामंत्री डॉ. एन. गौतम राव, वेमुला अशोक, प्रदेश उपाध्यक्ष मुगा जयश्री, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी तथा हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद झंडा वंदन एवं सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा, समी खान, सरदार मोना सिंह, सचिव मोहम्मद गजनी, मनमोहन सिंह एडवोकेट, सतीश हुंडिया, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टूटेजा, मीडिया संयोजक मुकेश चौहान जैन, आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, टूर मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्ज़ा, सह–संयोजिका सविता रायसोनी, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, एग्जीक्यूटिव कमेटी सदस्य सतपाल सिंह छाबड़ा, सरदार गुरदीप सिंह, साहेब सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।समारोह के दौरान भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार का पुष्पगुच्छ एवं अभिनंदन के साथ स्वागत किया गया। उपस्थित नेताओं ने तेलंगाना राज्य की प्रगति, विकास और जनकल्याण के लिए अपने संकल्प को दोहराते हुए राज्य की जनता को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय, मुधोल (जिला निर्मल) में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सह आचार्य डॉ. पवन कुमार पाण्डे ने राष्ट्रध्वज फहराया। समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कोनापुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया तेलंगाना राज्य गठन दिवस

बांसवाड़ा, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल अंतर्गत कोनापुर गांव में मंगलवार को बीआरएस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा तेलंगाना राज्य गठन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के ग्राम अध्यक्ष चकाली साईराम ने तेलंगाना थल्ली के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पार्टी ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों और महान विभूतियों के त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य अनेक लोगों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यदि प्रत्येक नागरिक राज्य के विकास में अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करे, तो तेलंगाना आने वाले समय में और अधिक प्रगति एवं समृद्धि हासिल करेगा। इस अवसर पर ग्राम अध्यक्ष चकाली साईराम, कलवकुंतला वसंत राव, कमलाकर राव, पुधारी लक्ष्मण, अमीरोद्दीन, कातिके मसूद, गंगाराम, अकबर, सयारेड्डी, नारायण राव, यम गंगाधर, गौस, मोतीराम, नारा गौड़ सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

फेग शुई के स्वास्थ्य संबंधी उपाय

इस संसार में पैसा और हीरे जवाहरात इंसान को अच्छा स्वास्थ्य खरीद कर नही दे सकते। अच्छे स्वास्थ्य के बिना आप खुशियों का भरपूर आनंद नहीं ले सकते। व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो सब कुछ ठीक है। फेंगशुई में स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के लिए कई आसान उपाय बताये गये हैं। स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के यह उपाय हैं।

1. अगर आप अपना स्वास्थ्य सुधारना चाहते हैं तो हमेशा अपनी निजी शुभ दिशा की ओर सिर करके सोएं। यह शुभ दिशा आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं।
2. शीशे की तरफ मुंह करके ना सोएं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके अलावा सोते समय सामने दर्पण या वाटर प्लांट, एक्वेरियम, झील और नदी की पेंटिंग नहीं होनी चाहिए।
3. उस कमरे में ना सोएं जिसके ऊपर टॉयलेट या वाशिंग मशीन स्थित हैं।
4. घर में लगे बीम के नीचे न सोएं क्योंकि यह सिरदर्द का कारण होता है।
5. एक लंबे गलियारे के अंत में स्थित कमरे में सोने से बचें या एक कमरा जिसका दरवाजा सीधे सीढियो की तरफ खुलता हैं। ऊर्जा का मजबूत प्रवाह कमरे में रहने वालों के लिए बीमारी लाने वाला साबित होगा।
6. कमरे के तेज किनारों और आगे को निकलने वाले कोनों को भी देखे जो कमरे में हानिकारक जहर के तीर भेजने का काम करते हैं।
7. अपने घर के पूर्वी भाग को विशेष रूप से ऊर्जावान बनाएं, क्योंकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतिनिधित्व करता है।

जब भगवान शिव की हुई जलती लकडी से पिटाई

देवों में देव महादेव की कोई जलती लकड़ी से पिटाई करे ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता लेकिन, यह बात बिल्कुल सच है। बात कुछ 1360 ई. के आस-पास की है। उन दिनों बिहार के विस्फी गांव में एक कवि हुआ करते थे। कवि का नाम विद्यापति था। कवि होने के साथ-साथ विद्यापति भगवान शिव के अनन्य भक्त भी थे। इनकी भक्ति और रचनाओं से प्रसन्न होकर भगवान शिव को इनके घर नौकर बनकर रहने की इच्छा हुई।

भगवान शिव एक दिन एक जाहिल गंवार का वेष बनाकर विद्यापति के घर आ गये। विद्यापति को शिव जी ने अपना नाम उगना बताया। विद्यापति की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी अत: उन्होंने उगना को नौकरी पर रखने से मना कर दिया। लेकिन शिव जी मानने वाले कहां थे। सिर्फ दो वक्त के भोजन पर नौकरी करने के लिए तैयार हो गये। इस पर विद्यापति की पत्नी ने विद्यापति से उगना को नौकरी पर रखने के लिए कहा। पत्नी की बात मानकर विद्यापति ने उगना को नौकरी पर रख लिया।

एक दिन उगना विद्यापति के साथ राजा के दरबार में जा रहे थे। तेज गर्मी के वजह से विद्यापति का गला सूखने लगा। लेकिन आस-पास जल का कोई स्त्रोत नहीं था। विद्यापति ने उगना से कहा कि कहीं से जल का प्रबंध करो अन्यथा मैं प्यासा ही मर जाऊंगा। भगवान शिव कुछ दूर जाकर अपनी जटा खोलकर एक लोटा गंगा जल भर लाए।

विद्यापति ने जब जल पिया तो उन्हें गंगा जल का स्वाद लगा और वह आश्चर्य चकित हो उठे कि इस वन में जहां कहीं जल का स्त्रोत तक नहीं दिखता यह जल कहां से आया। वह भी ऐसा जल जिसका स्वाद गंगा जल के जैसा है। कवि विद्यापति उगना पर संदेह हो गया कि यह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि स्वयं भगवान शिव हैं अत: उगना से उसका वास्तविक परिचय जानने के लिए जिद करने लगे।

जब विद्यापति ने उगना को शिव कहकर उनके चरण पकड़ लिये तब उगना को अपने वास्तविक स्वरूप में आना पड़ा। उगना के स्थान पर स्वयं भगवान शिव प्रकट हो गये। शिव ने विद्यापति से कहा कि मैं तुम्हारे साथ उगना बनकर रहना चाहता हूं लेकिन इस बात को कभी किसी से मेरा वास्तविक परिचय मत बताना।

विद्यापति को बिना मांगे संसार के ईश्वर का सानिध्य मिल चुका था। इन्होंने शिव की शर्त को मान लिया। लेकिन एक दिन विद्यापति की पत्नी सुशीला ने उगना को कोई काम दिया। उगना उस काम को ठीक से नहीं समझा और गलती कर बैठा। सुशीला इससे नाराज हो गयी और चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर लगी शिव जी की पिटाई करने। विद्यापति ने जब यह दृश्य देख तो अनायास ही उनके मुंह से निकल पड़ा 'ये साक्षात भगवान शिव हैं, इन्हें जलती लकड़ी से मार रही हो।' फिर क्या था, विद्यापति के मुंह से यह शब्द निकलते ही शिव वहां से अर्न्तध्यान हो गये।

इसके बाद तो विद्यापति पागलों की भांति उगना - उगना कहते हुए वनों में, खेतों में हर जगह उगना बने शिव को ढूंढने लगे। भक्त की ऐसी दशा देखकर शिव को दया आ गयी। भगवान शिव उगना के सामने प्रकट हो गये और कहा कि अब मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकता। उगना रूप में मैं जो तुम्हारे साथ रहा उसके प्रतीक चिन्ह के रूप में अब मैं शिव लिंग के रूप विराजमान रहूंगा। इसके बाद शिव अपने लोक लौट गये और उस स्थान पर शिव लिंग प्रकट हो गया। उगना महादेव का प्रसिद्ध मंदिर वर्तमान में मधुबनी जिला में भवानीपुर गांव में स्थित है।

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बडा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दु:खी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरूस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, 'हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी इंसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।' सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, 'तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।' दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।

ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, 'तुम लोग कौन हो। कहां से आए हो।' दरबारियों ने कहा, 'हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।' सुनकर संत बोले, 'क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।' दरबारियों ने कहा, 'नहीं' इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, 'राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के ह्रदय में ही सुख का अपार भंडार भरा पडा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।' राजा का ह्रदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। 'टी-टी' करतीं हुई इधर-उधर घूमा करती।

संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, 'मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।' मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, 'भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है।

मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।' चूहा बोला, 'तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।' गिलहरी बोली, 'वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।'

बाल भी बताते हैं व्यक्ति के गुण, स्वभाव और मनोवृति

बालों के रूप में मस्तिष्क के विचार भी प्रकट होते है। बालों को देखकर आप किसी व्यक्ति के गुण, स्वभाव और उसकी मनोवृति को आसानी से जान सकते हैं।

सीधे बाल वाले व्यक्ति स्पष्टवादी, सरल और खुले दिल के होते हैं। घुंघराले बाल वाले व्यक्तियों में निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है। घुंघराले बाल वाले धैर्यहीन, संकोची और अस्थिर होते हैं। लहरदार बालौं लोग मनमौजी, अतिक्रोधी, कर्मठ, कामुक, मतलबी और परिवर्तनशील होते हैं। ऐसे लोगों का मन हर क्षण बदलता रहता है।

रूखे बाल निम्नकोटि की मानसिक बौद्धिक क्षमता का प्रतिक हैं।

ऐसे लोग व्यवहार से कठोर और अल्पबुद्धि होते हैं। नरम एवं पतले बाल वाले मन से शुद्ध, सरल, भावुक, अबोध व निर्मल दिल के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का स्वभव बच्चों की तरह सरलहोता है।

ऐसे व्यक्ति उच्चा कोटी के कलाकार, दार्शनिक या समाज सेवक हो सकते हैं। मोटे बालों व्यक्ति में जीवनी शक्ति की प्रचुरता, कठोर परिश्रम करने वाले और धैर्यवान होते हैं। ऐसे व्यक्ति इरादे के पक्के और खान-पान के शौकीन होते हैं।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

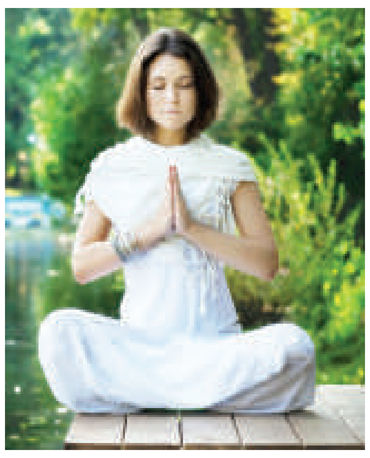

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशा: काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दका:। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दभा : सबल्वजा:।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व

हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋृण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

जब श्रीकृष्ण पर लगा चोरी का आरोप

एक दिन सत्राजित भगवान सूर्य द्वारा प्रदत्त स्यमंतकमणि धारणकर श्रीकृष्ण से मिलने आए। मणि के प्रकाश को देखकर यदुवंशी बोले- 'हे कृष्ण, यह मणि तो राजा उग्रसेन जी को अच्छी लगेगी। अत: आप यह मणि लेकर राजा उग्रसेन को दे दें। श्रीकृष्ण ने भी हंसकर सत्राजित से कहा- 'सत्राजित, तुम यह मणि हमारे राजा को दे दो।' परंतु यह सुनकर सत्राजित सभा से उठकर चले गए।

घर पहुंचकर सत्राजित ने भाई प्रसेनजित को सारा प्रसंग कह सुनाया। प्रसेनजित मणि पहनकर शिकार खेलने के लिए जंगल में चले गए। जंगल में एक मृग का पीछा करते-करते प्रसेनजित एक ऐसी गुफा में पहुंच गए, जहां घोर अंधेरा था। गुफा में शेर रहता था। उस शेर ने प्रसेनजित पर हमला करके उसे मार दिया और मणि गुफा में ले गया। मणि के प्रभाव के कारण गुफा सूर्य की तरह जगमगा उठी।

वहीं जामवंत निवास कर रहे थे। जब उन्हें गुफा में मणि होने की बात पता चली, तो उन्होंने शेर को मारकर मणि प्राप्त कर ली और मणि को अपनी बेटी के पालने से बांध दिया। उधर प्रसेनजित के साथ जो लोग शिकार खेलने गए थे, उन्होंने लौटकर सत्राजित को प्रसेनजित के लापता होने का हाल कह सुनाया। सत्राजित का शक सीधा श्रीकृष्ण पर गया कि मणि न देने पर उन्होंने ही उनके भाई को मारा है।

भाई के शोक में सत्राजित को उदास देखकर उनकी पत्नी ने पूछा, तो सत्राजित ने अपने मन की बात पत्नी को बता दी। सत्राजित की पत्नी ने यह बात अपनी पड़ोसन से कह दी। पड़ोसन से यह बात आगे फैलने लगी। फैलते-फैलते यह बात भगवान श्रीकृष्ण तक भी पहुंच गई। तब श्रीकृष्ण ने स्वयं पर लगा यह लांछन दूर करने के लिए प्रण किया कि वह सारा भेद स्पष्ट करेंगे तथा मणि को वापस लेकर आएंगे।

वह दल-बल सहित मणि की तलाश में निकल पड़े। रास्ते में उन्हें घोड़े के पैरों के चिह्न दिखाई दिए। आगे जाने पर घोड़े व प्रसेनजित का शव भी मिल गया। वहीं पर सिंह के पैरों के निशान देखकर सबने अंदेशा जताया कि यह सब सिंह ने किया है। सिंह के पैरों के निशानों के पीछे-पीछे श्रीकृष्ण गुफा में चले गए। वहां पर सिंह भी मरा मिला, परंतु मणि नहीं मिली।

श्रीकृष्ण गुफा में भीतर पहुंचे तो जामवंत की पत्नी डरकर चिल्लाने लगी। फिर जामवंत व श्रीकृष्ण में घोर युद्ध हुआ। जब जामवंत श्रीकृष्ण को पराजित न कर पाए, तो उन्होंने मन ही मन प्रभु श्रीराम का स्मरण किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत को श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए। भगवान के दर्शन करके वह धन्य हुए तथा उन्होंने मणि व अपनी पुत्री श्रीकृष्ण को सौंपकर उनसे क्षमा मांगी। श्रीकृष्ण ने वह स्यमंतकमणि सत्राजित को वापस करके स्वयं पर लगा कलंक धोया।

घर में शांति के लिए रखें गुलदस्ता

बदलते दौर में वास्तु का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आजकल कई बड़े-बड़े बिल्डर व इंटीरियर डेकोरेटर भी घर बनाते व सजाते समय वास्तु का विशेष ध्यान रखते हैं। वास्तु के अनुसार ही वे कमरे की बनावट, उनमें सामान की साज-सज्जा करते हैं। इससे घर की खूबसूरती बढ़ने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है। वास्तु के अनुसार घर की सजावट करते समय निम्न बातों का ध्यान रखें—

- घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक अथवा ॐ की आकृति लगाने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- जिस भूखंड या मकान पर मंदिर की पीठ पड़ती है, वहां रहने वाले आए-दिन आर्थिक व शारीरिक परेशानियों में घिरते रहते हैं।
- समृद्धि की प्राप्ति के लिए नॉर्थ-ईस्ट दिशा में पानी का कलश अवश्य रखना चाहिए।
- घर में ऊर्जामय वातावरण बनाने में सूर्य की रोशनी का विशेष महत्व होता है, इसलिए घर की आंतरिक साज-सज्जा ऐसी होनी चाहिए कि सूर्य की रोशनी घर में पर्याप्त रूप में प्रवेश करे।
- घर में कलह अथवा अशांति का वातावरण हो, तो ड्राइंग रूम में फूलों का गुलदस्ता रखना अच्छा रहता है।
- अशुद्ध वस्त्रों को घर के प्रवेश द्वार के मध्य में नहीं रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार रसोईघर में देवस्थान नहीं होना चाहिए।
- गृहस्थ के बेडरूम में भगवान के चित्र अथवा धार्मिक महत्व की वस्तुएं नहीं लगी होनी चाहिएं।
- घर में देवस्थान की दीवार से शौचालय की दीवार का संपर्क नहीं होना चाहिए।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदवार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

संपादकीय

मुस्लिम ने मुस्लिम को खदेड़ा

घुसपैठियों का मुद्दा सामान्य नहीं, बेहद संवेदनशील और पेचीदा है। कूटनीति और बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों पर तनाव बढ़ सकता है। यह भारत की ही समस्या नहीं, बल्कि खाड़ी के मुस्लिम देश, यूरोप, ब्रिटेन और अमरीका भी परेशान हैं। अंततः घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है। ऐसे सभी लोग घुसपैठिए भी नहीं हैं। बहरहाल सिर्फ मुस्लिम देशों के ही कुछ उदाहरण लें, तो साफ होगा कि यह कितना नाजुक और बिलबिला देने वाली समस्या है। पाकिस्तान ने बीते सालों में 1.46 लाख से अधिक अफगानी मुसलमानों को उनके देश वापस जाने को विवश किया है। दोनों इस्लामी देश हैं। ईरान आज युद्ध में घिरा है, लेकिन इससे पहले वह करीब 15 लाख मुसलमानों को देश से खदेड़ चुका है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वप्निल, शानदार शहर दुबई जाने को आधुनिक युवा हरचंद कोशिश करते हैं। वहां नौकरियों के मोटे पैकेज मिलते हैं और व्यापार की चौतरफा संभावनाएं हैं। दुबई 'धन्नासेठों का शहर' भी है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात ने ही 7500 से अधिक पाकिस्तानी लोगों को वापस जाने को विवश किया है। उन्हें अपना सामान पैक करने तक का वक्त नहीं दिया गया। तुर्किए खुद को मुसलमानों का 'खलीफा देश' मानता है। उसने भी करीब 2.60 लाख लोगों को देश छोड़ कर चले जाने को बाध्य किया है। जॉर्डन ने जिन 6.75 लाख के करीब लोगों को, खेती का काम करने को, शरण दी थी, उनमें से 1.5 लाख से अधिक शरणार्थियों को वह खदेड़ चुका है। सऊदी अरब ने तो हद ही कर दी, जब 18,836 कथित अवैध, अवांछित अप्रवासियों को हथकड़ी लगाकर देश के बाहर किया गया। अमरीका ने भी हथकड़ी, बेडियां बांध कर भारतीयों को वापस भेजा था और हम एक राष्ट्र के तौर पर 'चूं' तक नहीं कर पाए थे। इसी तरह मुस्लिम देश अधिकतर मुसलमानों को ही निष्कासित कर रहे हैं, तो किसी भी देश ने इसे उनका एजेंडा करार नहीं दिया।

भारत की ही समस्या नहीं, बल्कि खाड़ी के मुस्लिम देश, यूरोप, ब्रिटेन और अमरीका भी परेशान हैं। अंततः घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है। ऐसे सभी लोग घुसपैठिए भी नहीं हैं। बहरहाल सिर्फ मुस्लिम देशों के ही कुछ उदाहरण लें, तो साफ होगा कि यह कितना नाजुक और बिलबिला देने वाली समस्या है। पाकिस्तान ने बीते सालों में 1.46 लाख से अधिक अफगानी मुसलमानों को उनके देश वापस जाने को विवश किया है। दोनों इस्लामी देश हैं। ईरान आज युद्ध में घिरा है, लेकिन इससे पहले वह करीब 15 लाख मुसलमानों को देश से खदेड़ चुका है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वप्निल, शानदार शहर दुबई जाने को आधुनिक युवा हरचंद कोशिश करते हैं। वहां नौकरियों के मोटे पैकेज मिलते हैं और व्यापार की चौतरफा संभावनाएं हैं। दुबई 'धन्नासेठों का शहर' भी है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात ने ही 7500 से अधिक पाकिस्तानी लोगों को वापस जाने को विवश किया है। उन्हें अपना सामान पैक करने तक का वक्त नहीं दिया गया। तुर्किए खुद को मुसलमानों का 'खलीफा देश' मानता है।

मानवाधिकार के नाम पर या तो मुंह में दही जम गया अथवा आंखें मूंद ली गईं। दुनिया ने इस 'खदेड़बाजी' को राष्ट्रीय सुरक्षा और उन देशों के संसाधनों का राष्ट्रीय प्रबंधन मान लिया, लेकिन भारत में, खासकर बंगाल से, घुसपैठियों को देश से बाहर करने के मुद्दे पर एक राजनीतिक, सामाजिक, मजहबी तबका बिलबिलाने क्यों लगता है? राज्यसभा में भारत सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि देश में करीब 2 करोड़ घुसपैठिए हैं। विशेषज्ञ यह संख्या 3-4 करोड़ आंकते हैं, क्योंकि बंगाल के अलावा, उप्र, बिहार, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र आदि राज्यों से लेकर राजधानी दिल्ली में भी घुसपैठिए हैं। राजनीतिक कारणों और चुनावी वोट बैंक की खातिर न तो शिद्दत से उनकी पहचान की गई और धरपकड़ कर उन्हें देश से खदेड़ना तो बहुत दूर की कौड़ी है। चूंकि अब घुसपैठियों को भगाने का पुख्ता रोड-मैप तैयार हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है, जो यह निष्कर्ष देगी कि देश में जनसांख्यिकी परिवर्तन और असंतुलन क्यों हैं? उनके बुनियादी कारण और कारक क्या हैं? विडंबना है कि इस अभियान को भाजपा का एजेंडा, मोदी सरकार की मुस्लिम-विरोधी नीति करार दिया जा रहा है। अब यह प्रावधान, कायदे-कानून तय किए जा रहे हैं कि घुसपैठियों का 'बॉयोमीट्रिक डाटा' तैयार किया जाएगा, ताकि खदेड़ने के बाद घुसपैठिया दोबारा भारत की सीमाओं में न आ सके। हमारे देश में 'चार न्यूजीलैंड' के बराबर घुसपैठिए हैं। अधिक भी हो सकते हैं। उनके पास आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड सरीखे भारतीय दस्तावेज भी हैं। वे सालों से भारत में बसे हैं, जमीनें खरीद ली हैं, सरकारी योजनाओं के लाभार्थी रहे हैं, देश के संसाधन हड़पते रहे हैं, कुछ ने सरकारी नौकरियां भी हासिल कर रखी हैं। ऐसे अवैध घुसपैठियों को देश से खदेड़ना आसान नहीं है। बांग्लादेश सरकार अपने मूल निवासियों को पहचानने में 5-5 साल लगा देती है, लिहाजा मामले लटके रहते हैं और घुसपैठिए 'हिरासत केंद्रों' में मजे से बिरयानी खाते रहते हैं। बांग्लादेश कई मामलों में घुसपैठियों को अपना नागरिक मानता ही नहीं।

कुछ अलग

एक्सटैंशनमेव जयते

सरकारें चाहे बदलती रहें, पर उनका ध्येय प्रायः एक ही होता है, अपनों को रेवड़ियां और दूसरों को जूतों में दाल। अक्सर नई सरकारें पुरानी योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें अपने नेताओं के नाम समर्पित कर देती हैं और इसे नवाचार मान लिया जाता है। जनता एक अनुशासित दर्शक की तरह हर सरकार के हर निर्णय पर तालियां बजाती रहती है, चाहे वह केवल पुरानी बोतल पर नया लेबल चिपकाने का ही उपक्रम क्यों न हो। लगता है, 'इसकी टोपी उसके सिर' कहावत बुज़ुर्गों ने शायद ऐसे ही दृश्य देखकर गढ़ी होगी।' सुबह-सवेरे मोर्निंग वॉक पर निकले झुन्नू लाल जी को मैंने लगभग दौड़ते हुए पकड़ा। वह तमतमाए हुए थे। पूछने पर पता चला कि इस माह रिटायर हो रहे उनसे तीन वरिष्ठ अधिकारियों को साल भर की एक्सटैंशन यानी सेवा विस्तार से नवाज़ा जा रहा है। अगर यह सच हुआ तो वह इस साल के अन्त में बिना किसी प्रमोशन के ही घर सिधार जाएंगे, जबकि उम्र में उनसे क़रीब तीन साल बड़े तीनों अधिकारी उनसे तीन माह बाद कुरसी हल्की करेंगे। इस बात की प्रबल संभावना है कि सेवानिवृत्ति के बाद उन तीनों को किसी आयोग का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। पिछले चार सालों से पदोन्नित का इंतज़ार कर रहे जॉन अली बेचारे हर साल मन मसोस कर रह जाते हैं। मैंने उनसे पूछा कि उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों के लिए जुटाई जा रही इन रेवड़ियों का पता कैसे चला तो उन्होंने बताया कि कल रात उनके महकमे के वज़ीर के पीए का उस वक्त फोन आया जब वह 'पीए' हुए था। जो अधिकारी घुटनों के बल चलने या रेंगने के आदी हैं, केवल उन्हें ही सेवा विस्तार से नवाज़ा जाता है।

नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है

रील्समय सब जग जानी

उमेश चतुर्वेदी

आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं।

तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा, लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है। उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय

कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे। बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है। पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था। जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फ्रीक्वैंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी। मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता। विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं।

देश दुनिया से

चीन की दूरदृष्टि से सबक लेने की जरूरत

ब्लूमबर्ग न्यूज़ की 28 जनवरी, 2026 की खबर के अनुसार, चीन ने पिछले साल सभी तकनीकी क्षेत्रों में 543 गीगावाट जितनी नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत में 2024 के आखिर तक के पैदा हुए कुल बिजली उत्पादन से 12 प्रतिशत ज़्यादा है। चीन की इस बढ़ोतरी में 80 फीसदी से ज़्यादा हिस्सा अक्षय ऊर्जा का था, जिसमें सोलर व पवन ऊर्जा शामिल हैं। वहीं यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार है (लगभग 1.4 अरब बैरल)। दिलचस्प कि उसने 2025 में अपने तेल भंडारण में काफ़ी वृद्धि की, और रूस, ईरान और वेनेज़ुएला से रियायती दरों पर करोड़ों बैरल तेल खरीदा। जबकि भारत के पास सिर्फ़ 21 मिलियन बैरल का तेल भंडार था। पिछले कुछ दशकों में, चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उत्पादन, लिथियम-आयन बैट्री उत्पादन और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में अपनी ज़बरदस्त रणनीतिक बढ़त बनाई है। चीनी लोग इस समूची मूल्य संवर्धन शृंखला में अब दुनियाभर में अग्रणी हैं। ऐसा कर उन्होंने न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की और प्रदूषण घटाया बल्कि जीवाश्म ईंधन से दूर हटती दुनिया के दौर में अपनी बहुत मज़बूत स्थिति भी बना ली। रेयर अर्थ मिनरल, ईवी निर्माण, बैट्री उत्पादन व स्वच्छ ऊर्जा की यह तिकड़ी, किसी अर्थव्यवस्था की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करने का 'सबसे अहम माध्यम' है। यह सब सावधानी से की गई योजनाबंदी से हासिल हो पाया, जिसे पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष स्थान दिया गया (अभी वहां 15वीं योजना चल रही है)। ये योजनाएं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद (चीनी कैबिनेट) मिलकर बनाती हैं। यह रणनीतिक बढ़त ही तय करेगी कि देश आगामी ऊर्जा संकट से कैसे निबटेगा। यह ऊंची और नीची महंगाई दर वाले देशों के बीच का फ़र्क बनाता है, और यह तय करने में एक अहम भूमिका निभाएगा कि एआई के युग में डेटा सेंटर कहां स्थापित

होंगे, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, भंडारण, रेयर अर्थ मिनरल और डेटा सेंटरों के बीच एक रणनीतिक सांझ है। बीते साल चीन ने अपने रणनीतिक अस्त्र का इस्तेमाल किया व रेयर अर्थ के निर्यात पर रोक लगाकर भारत का ईवी उत्पादन करीब ठप कर दिया था (इस क्षेत्र में उसका लगभग एकाधिकार है)। देश - अपनी सरकारों के ज़रिए- भविष्य के लिए योजना बनाते हैं। ऐसी योजना में विगत के और मौजूदा अनुभवों का गहराई से विश्लेषण करना शामिल होता है, साथ ही भविष्य के संभावित बदलावों के बारे में भी अनुमान भी लगाए जाते हैं। उपरोक्त अवयवों के आधार पर, सरकार भविष्य से निबटने को नीतियां बनाती है। जब हम खुद को और अपनी मौजूदा स्थिति को, खासकर ऊर्जा की स्थिति और उसके नतीजों के मामले में, देखते हैं, तो लगता है कि हमने पिछले कुछ दशक में जरूरी तैयारी नहीं की। चूंकि भारत का अपना तेल का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए यह यकीनी बनाना केंद्र की ज़िम्मेदारी है कि आपात स्थिति में संसाधन उपलब्ध रहें, पर्याप्त भंडार बनाए, और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह कि बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा अपनाएं, ताकि हम आयातित कच्चे तेल पर बिल्कुल निर्भर न रहें। जहां यह बात तसल्ली देने वाली है कि हमारी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा अब नवीकरणीय स्रोतों से आता है, लेकिन कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन का हिस्सा अभी भी सबसे अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। अहम बात यह है कि यह अभी भी कुल बिजली खपत का 70 प्रतिशत हिस्सा मुहैया करवाता है, जबकि भारत ने अभी तक बिजली के भंडारण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं की। जबकि चीन ने इस मामले में बहुत काम किया है। यह दशक लगातार उथल-पुथल भरा रहा। पहले कोविड महामारी, फिर पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया युद्ध जो जारी हैं, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उद्भव। भारत औद्योगिक क्रांति करने से चूक गया था, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। देश '80 और '90 के दशक के कंप्यूटर-प्रधान युग के शुरुआती दौर में भी चूक कर गया; '90 के दशक के आर्थिक सुधार तब जाकर लागू किए, जब देश करीब दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया। शुक्र है, निजी क्षेत्र ने आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी संभाली, साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की बड़ी फौज ने भी स्थिति से उबारने में मदद की। हालांकि भारत अभी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी नहीं बन पाया, आईटी क्षेत्र में उसकी जगह अधिकांशतः सेवा आधारित क्षेत्र में ही है। हालांकि देर से हुई शुरुआत के मद्देनज़र, काबिल-ए-तारीफ है कि हम इतनी प्रगति कर पाए। एआई से आ रहे बड़े बदलावों की बात करें तो, हमने एक बार फिर मौका गंवा डाला है और अब हम उसे तेज़ी से दूर जाते हुए देख सकते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में हमारी कोई जगह नहीं, और हमारा इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आपूर्ति के लिए एशियाई दिग्गजों- ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन पर निर्भर बना हुआ है। जिन डेटा सेंटर्स की स्थापना की योजना बनाई जा रही, वे भी दूसरों पर निर्भर रहेंगे। अमेरिका और चीन ने एआई और उससे जुड़े बुनियादी ढांचा निर्माण में बहुत बड़ी छलांग लगाई। इस आधारभूत ढांचे में बेहतरीन चिप बनाना, सस्ती बिजली और सरकार का योगदान बतौर सुधारक और मददगार होना शामिल है।

आप का नज़रिया

बेहतर शिक्षा की रैंकिंग में

राष्ट्रीय फलक पर शिक्षा के कारनामे जो भी हों, लेकिन हिमाचल ने परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में छठे स्थान पर खुद को स्थापित किया है। यह गुणात्मक सुधार माना जा सकता है, जहां लर्निंग के हिसाब से बच्चों के शैक्षणिक स्तर का उत्थान हुआ है। कहना न होगा कि स्कूली ढांचे में कई तरह के सुधार सामने आए हैं। शिक्षा के साथ समाज और प्रदेश अगर बेहतर हुआ है, तो यह साबित करता है कि स्कूलों में लैब टू लर्निंग तथा इंटरनेट से ज्ञान तक एक क्रांतिकारी उद्घोष हुआ है। हिमाचल जैसे पर्वतीय प्रदेश के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग में उच्च स्तरीय साबित होने के मायने सरकार के योगदान के अलावा समाज की उत्कंठा से भी जाहिर होते हैं। यहां शिक्षा सिर्फ सरकारी स्कूल की छत नहीं, बल्कि समाज की निष्ठा तथा निजी योगदान से भी परिष्कृत होती है। इसलिए सरकारी दायित्व का स्कूली आचरण बेशक बढिया नजर आ रहा है, लेकिन इसे प्रतिस्पर्धी व उज्ज्वल बनाया है जनता के विश्वास ने। एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़ तथा बिजली - पानी की आपूर्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच रही है और विधायक प्राथमिकताएं भी इस दिशा में सदा अग्रसर दिखाई देती हैं। हिमाचल में सरकारी स्कूलों के समक्ष निजी शिक्षण संस्थानों की अपनी खूबियां भी सामने आती हैं, तो मुकाबला परीक्षा परिणाम से शुरू होकर अब विभिन्न शिक्षा बोर्डों तक पहुंच गया है। आने वाले कुछ सालों में हिमाचल की शिक्षा को केवल स्कूल शिक्षा बोर्ड के ढांचे में ही नहीं परखा जाएगा, बल्कि सीबीएसई स्कूलों की शृंखला भी पहचानी व जानी जाएगी। अभी जिस वजह से चंडीगढ़ इस मूल्यांकन में आगे दिखाई दे रहा है, उसके लिए वहां के स्कूलों का संचालन सीबीएसई बोर्ड के पैरामीटर के कारण है। इस परिपाटी में वर्तमान सुक्खू सरकार के उस फैसले का अवलोकन होना बाकी है, जब प्रदेश के डेढ़ सौ से ऊपर सरकारी स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम को अंगीकार कर चुके होंगे। हिमाचल में शिक्षा का प्रसार जिन सीढियों से चढ़ा है, वहां कमोबेश हर सरकार का योगदान रहा है। यह दीगर है कि अब छात्र संख्या के आधार पर कतरब्यौंत हो रही है। इससे छात्र-शिक्षक अनुपात, विषयों का अंबार और निजी स्कूलों के समकक्ष सरकारी संस्थानों का उद्धार होने जा रहा है। अभी हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम सामने आए, तो इस कवायद में सरकारी क्षेत्र शिरोमणि बना है। परिणामों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूलों की छत उत्तम घोषित हुई है, फिर भी शिक्षा में गुणवत्ता के अनेक मानदंड अभी पूरे नहीं हैं। शैक्षणिक माहौल का उत्थान केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि छात्र जीवन को जिंदगी के हर पहलू से निपुणता से गुजरने का आत्मबोध है। शिक्षा से इतर विविध गतिविधियों के लिए भी अब हिमाचल तैयार हो रहा है या होना चाहिए। गीत-संगीत, खेल, आर्ट तथा वैज्ञानिक सोच के दायरे को बढ़ाने के लिए परिसर को और व्यावहारिक होना पड़ेगा। बहरहाल राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिमाचल की स्कूली रैंकिंग साबित कर रही है कि यहां न केवल मैदानी इलाकों, बल्कि कबाइली व दुरुह क्षेत्रों तक शिक्षा की लौ फैलाने में तमाम सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं के घोडे चारों दिशाओं में दौडाए हैं।

शिक्षा के साथ समाज और प्रदेश अगर बेहतर हुआ है, तो यह साबित करता है कि स्कूलों में लैब टू लर्निंग तथा इंटरनेट से ज्ञान तक एक क्रांतिकारी उद्घोष हुआ है। हिमाचल जैसे पर्वतीय प्रदेश के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग में उच्च स्तरीय साबित होने के मायने सरकार के योगदान के अलावा समाज की उत्कंठा से भी जाहिर होते हैं। यहां शिक्षा सिर्फ सरकारी स्कूल की छत नहीं, बल्कि समाज की निष्ठा तथा निजी योगदान से भी परिष्कृत होती है। इसलिए सरकारी दायित्व का स्कूली आचरण बेशक बढ़िया नजर आ रहा है, लेकिन इसे प्रतिस्पर्धी व उज्ज्वल बनाया है जनता के विश्वास ने। एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़ तथा बिजली -पानी की आपूर्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच रही है और विधायक प्राथमिकताएं भी इस दिशा में सदा अग्रसर दिखाई देती हैं। हिमाचल में सरकारी स्कूलों के समक्ष निजी शिक्षण संस्थानों की अपनी खूबियां भी सामने आती हैं, तो मुकाबला परीक्षा परिणाम से शुरू होकर अब विभिन्न शिक्षा बोर्डों तक पहुंच गया है। आने वाले कुछ सालों में हिमाचल की शिक्षा को केवल स्कूल शिक्षा बोर्ड के ढांचे में ही नहीं परखा जाएगा, बल्कि सीबीएसई स्कूलों की शृंखला भी पहचानी व जानी जाएगी।

दृष्टि कोण

ऊर्जा सुरक्षा, भारत की स्थिति व पीएम की यात्राएं

एक ओर अमरीका और इजरायल तथा दूसरी ओर ईरान के बीच युद्ध को लगभग तीन महीने होने जा रहे हैं और यह तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा। अमरीका को अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए ईरान ने खाड़ी के देशों पर भी हमले किए हैं। लगभग 20 देश युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं। उधर युद्ध रुकवाने के लिए अमरीका पर दबाव बनाने और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने हेतु एक महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को ईरान ने लगभग बंद कर दिया है। गौरतलब है कि दुनिया के कुल तेल और गैस की 20 फीसदी आवाजाही इस मार्ग से होती है। ऐसे में भारत सहित कई देश तेल और गैस की कमी के कगार पर खड़े हैं। साथ ही साथ युद्ध के चलते तेल और गैस की आवाजाही के बाधित होने से तेल और गैस की कीमतों में भी खासी वृद्धि हुई है और यह लगातार जारी है। भारत में सरकार द्वारा एक्साईज ड्यूटी घटाकर तेल की कीमतों को स्थिर रखने का बड़ा प्रयास किया गया, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में लगातार होती वृद्धि के कारण अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि प्रारंभ हो गई है। कॉमर्शियल गैस के सिलेंडरों की कीमतों में तो पहले से ही भारी वृद्धि हो चुकी है। हालांकि रसोई गैस की कीमतों को अभी तक नहीं बढ़ाया गया है, लेकिन उसमें कभी भी वृद्धि हो सकती है। दूसरी तरफ चूंकि देश की कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत पूर्ति आयात से होती है, तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हो रही लगातार वृद्धि के कारण भारत का तेल आयात बिल बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण एक तरफ रुपए में गिरावट हो रही है तो दूसरी तरफ देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी खाली होता जा रहा है। युद्ध के प्रथम तीन महीनों में ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 47 अरब डालर कम हो चुका है। इन सब बातों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता से अपील की है कि वे पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग को उत्तरोत्तर कम करने का प्रयास करें। इस कारण उन्होंने जनता से वर्क फ्रॉम होम, अधिक सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल की भी अपील की है। साथ ही विदेशी मुद्रा

बचाने के लिए भी उन्होंने सोने की खरीद को कम करने, विदेशी यात्राओं से परहेज करने आदि के लिए भी जनता से गुहार लगाई है। इन परिस्थितियों में मई 2026 के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली की महत्वपूर्ण यात्राएं आज बड़ी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि इन यात्राओं का रणनीतिक संदर्भ भी है। लेकिन माना जा रहा है कि इन यात्राओं के पीछे एक बड़ी प्राथमिकता देश की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग भी है। पश्चिमी एशिया में क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक तेल बाजारों में उथल-पुथल के चलते यह स्पष्ट है कि भारत इस यात्रा को परंपरागत तेल की आपूर्ति और भविष्य के लिए हरित ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं को बढ़ाने में सफल हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात भारत के तेल आयात का चौथा सबसे बड़ा स्रोत है, जहां से भारत की कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का 11 प्रतिशत प्राप्त होता है। तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में यूएई का तीसरा स्थान है और भारत यूएई की गैस का सबसे बड़ा खरीददार है। एलपीजी के लिए भी यूएई भारत का सबसे बड़ा स्रोत है। दूसरी तरफ भारत द्वारा परिष्कृत पेट्रोलियम और लुब्रीकेंट का निर्यात भी यूएई में बड़ी मात्रा में होता है और इस संदर्भ में भी उसका दूसरा सबसे बड़ा स्थान है। भारतीय कंपनियों ने बड़ी मात्रा में यूएई की ऊर्जा परिसंपत्तियों में निवेश किया हुआ है। यूएई की कंपनी 'मसदर' ने राजस्थान में 60 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता निर्माण के लिए समझौता किया है।

भारतीय महिला हाकी टीम के साथ जुड़े डच दिग्गज टेके टेकेमा, ड्रैग-फ्लिकिंग कैंप में देंगे विशेष प्रशिक्षण

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम की पेनाल्टी कार्नर क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए नीदरलैंड के महान ड्रैग-फ्लिकर टेके टेकेमा टीम के साथ विशेष प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए हैं। यह शिविर आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड दौरे के दौरान 26 मई से 21 जून तक आयोजित किया जा रहा है। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने के मार्गदर्शन में भारतीय टीम आगामी एफआईएच महिला नेशंस कप न्यूज़ीलैंड 2025-26 की तैयारियों में जुटी हुई है, जो 15 से 21 जून तक आकलैंड में खेला जाएगा। इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य भारतीय ड्रैग-फ्लिकरों की तकनीक को निखारना और पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने की क्षमता को बेहतर बनाना है। भारतीय खिलाड़ियों दीपिका, लालथांतलुआंगी और अन्नू इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रही हैं। टेके टेकेमा विश्व हाकी के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकरों में गिने जाते हैं। नीदरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी टेकेमा ने ओलंपिक और हाकी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच और 221 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं। यह पहल आनंदना - द कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से संचालित की जा रही है। इससे पहले आनंदना ने भारतीय महिला हाकी टीम के लिए बेंगलुरु में प्रसिद्ध गोलकीपिंग कोच डेविड विलियमसन द्वारा आयोजित विशेष गोलकीपिंग शिविर को भी सहयोग प्रदान किया था। आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम ने पर्थ हाकी स्टेडियम में मेजबान आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की मैत्रीपूर्ण श्रृंखला खेली थी। दोनों टीमों ने दो-दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर समाप्त की। भारतीय टीम 3 जून को न्यूज़ीलैंड पहुंचेगी, जहां नेशंस कप से पहले अभ्यास मैचों और प्रशिक्षण सत्रों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने कहा, आधुनिक हाकी में पेनाल्टी कार्नर बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। टेके टेकेमा जैसे अनुभवी विशेषज्ञ का साथ हमारी टीम के लिए बहुत लाभदायक होगा। ड्रैग-फ्लिकिंग के अलावा वे हमारी रक्षात्मक संरचना को भी बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

आस्ट्रेलियाई प्रधानंत्री मार्लेस ने विराट की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई। आस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। मार्लेस के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की जीत में विराट की सबसे बड़ी भूमिका रही। मार्लेस ने कहा कि आरसीबी में जोश हेजलवुड और टिम डेविड जैसे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी हैं। ऐसे में उनका मानना है कि ये जीत दोनो देशों के बीच की साझेदारी का एक अच्छा उदाहरण है। कोहली को फाइनल में उनकी मैच विजेता पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड दिया गया था। मार्लेस के अनुसार आरसीबी की लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्राफी की जीत में विराट ने बड़ी भूमिका निभाई है। फाइनल मुकाबले में विराट ने गुजरात टाइटंस को के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली। मार्लेस ने इस पारी की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम को जीत दिलाने में कोहली का आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भी पूरा साथ दिया। हेजलवुड ने फाइनल में दो बड़े विकेट लिए जबकि टिम ने तेज से 24 रनों की पारी खेली। मार्लेस ने कहा कि दोनो ही आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ठीक से अपनी जिम्मेदारी निभाई। मार्लेस ने कह कि यह दूसरा अवसर है जब वह भारत में होने के कारण आईपीएल फाइनल में आरसीबी को खिताब जीतते देख रहे हैं। साथ ही कहा कि विराट आस्ट्रेलिया में भी खासे लोकप्रिय हैं। मार्लेस ने कहा, मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि विराट 75 रन बनाकर मैन आफ द मैच बने पर उनके साथ हेजलवुड और टिम भी लगो थे। इससे भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अच्छी साझेदारी दिखी। क्रिकेट में दोनो देशों के बीच गहरे संबंधों याद करते हुए, मार्लेस ने भारत के दिग्गज स्पिनर और कप्तान रहे बिशन सिंह बेदी को भी याद किया।

टिम ने अपनी हरकतों से आरसीबी को शर्मसार किया

मुम्बई। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड आईपीएल के 19 वें सत्र में अपनी खराब हरकतों के कारण विवादों में घिरे रहे हैं। यहां तक कि फाइनल मुकाबले में भी टिम बाज नहीं आये और उन्होंने अंपायर से तक बदसलूकी की जिसके कारण उनपर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें अगले सत्र के पहले मैच के लिए भी निलंबित कर दिया गया है। इस सत्र में टिम लगातार आचारसंहित तोड़ते रहे। वह सबसे पहले लीग के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले के दौरान, टिम अचानक ही गेंद की जांच करने लगे और मैदानी अंपायर के बार-बार कहने पर भी उन्होंने गेंद वापस नहीं की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। उनकी इस हरकत के लिए आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया और 1 नकारात्मक अंक भी दिया गया। वह लीग के 54वें मैच में एक बार फिर विवादों में आये। मुंबई के खिलाफ उस मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में डगआउट में लौटते समय, जब कैमरा उनकी ओर घुमा, तो उन्होंने कैमरे की दिशा में बीच की अंगुली का इशारा किया। यह साफ नहीं था कि उनका संकेत किसकी ओर था पर इस आपत्तिजनक व्यवहार के लिए उनपर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना और 2 नकारात्मक अंक लगाए गए। आईपीएल फाइनल में तो टिक ने हद ही पार कर दी। पहली पारी के 10वें ओवर में एक विकेट गिरने के बाद, टिम ने बेहद आक्रामक तरीके से मैदानी अंपायर नितिन मेनन की ओर एक आइस बैग फेंका। मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने उनके इस व्यवहार को बेहद गंभीर और खतरनाक करार देते हुए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाने के साथ ह उनके नाम दो नकारात्मक अंक दर्ज किये। इस प्रकार सभी घटनाओं को मिलाकर, टिम के खाते में कुल 5 नकारात्मक अंक हो गए।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है। हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल आस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

एलपीएल 2026 में होगा इम्पैक्ट सब नियम हर टीम को खिलाना होगा अंडर-23 खिलाड़ी

कोलंबो

श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी सत्र में पहली बार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम लागू किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक टीम के लिए प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक अंडर-23 खिलाड़ी को शामिल करना अनिवार्य होगा। खास बात यह है कि इम्पैक्ट सब के इस्तेमाल के बाद भी टीम में अंडर-23 खिलाड़ी का होना जरूरी रहेगा। सोमवार को कोलंबो में आयोजित एलपीएल 2026 ड्राफ्ट के दौरान इन नए नियमों की जानकारी दी गई। इन बदलावों के कारण सभी पांच फ्रेंचाइजी को अपनी टीमों का चयन काफी रणनीतिक तरीके से करना पड़ा। अंडर-23 खिलाड़ियों की सीमित उपलब्धता के कारण फ्रेंचाइजियों के सामने टीम संयोजन की चुनौती रही। कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी जुलाई में भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

निसांका और पथिराना चोटिल

ड्राफ्ट के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पथुम निसांका और मथीशा पथिराना चोट से जूझ रहे हैं। निसांका को वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार वह भारत के श्रीलंका दौरे से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए सर्जरी भी करा सकते हैं।

चार टीमों के बदले नाम और नए मालिक

एलपीएल 2026 में चार फ्रेंचाइजियों ने नए मालिक और कोचिंग स्टाफ के साथ नए नाम भी अपनाए हैं। जो निम्न हैं...

- जाफना एससी जाफना किंग्स
- गाल गाल ग्लैडिएटर्स
- कैंडी कैंडी रायल्स
- कोलंबो कोलंबो कैप्स

केवल दांबुला सिक्सर्स का नाम और पहचान यथावत रही।

ड्राफ्ट में इन खिलाड़ियों पर रही नजर

ड्राफ्ट में भारतीय क्रिकेटर विजय शंकर, उभरते तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा, पाकिस्तान के विस्फोटक बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे खिलाड़ियों पर विशेष ध्यान रहा।

इसके अलावा अविष्का फर्नांडो और चरिथ असलंका पहले दौर के प्रमुख चयन रहे, जबकि विदेशी खिलाड़ियों में रहमानुल्लाह गुरबाज और मोहम्मद नवाज सबसे चर्चित नाम रहे।

प्रमुख प्री-साइनिंग खिलाड़ी

एससी जाफना किंग्स: तस्किन अहमद, दुनिथ वेल्लालागे, शाकिब अल हसन, भानुका राजपक्षे

गाल ग्लैडिएटर्स: लिटन दास, ईशान मलिंगा, रासी वान डेर डुसेन, दासुन शनाका

कैंडी रायल्स: विजय शंकर, एंजेलो मैथ्यूज, मोईन अली, वानिंदु हसरंगा

कोलंबो कैप्स: बेन मैकडरमाट, कमिंदु मेंडिस, जिमी नीशम, कुसल मेंडिस

दांबुला सिक्सर्स: रीजा हेंड्रिक्स, दिनेश चांदीमल, साहिबजादा फरहान, दुष्मंथा चमीरा

एलपीएल 2026 में नए नियमों और बदले हुए टीम ढांचे के साथ टूर्नामेंट के और अधिक प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद की जा रही है। इम्पैक्ट सब और अंडर-23 नियम से युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलने के साथ-साथ टीमों की रणनीति में भी नया आयाम देखने को मिलेगा।

फ्रेंच ओपन: सबालेंका क्वार्टर फाइनल में, ओसाका का सफर समाप्त

पेरिस

विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को हराकर फ्रेंच ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

कोर्ट फिलिप शात्रिये पर खेले गए मुकाबले में बेलारूस की सबालेंका ने ओसाका को 7-5, 6-3 से मात दी। तीन वर्षों बाद आयोजित महिला नाइट-सेशन मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना रूस की डायना श्नाइडर से होगा। श्नाइडर ने पूर्व आस्ट्रेलियन ओपन विजेता मैडिसन कीज़ को 6-3, 3-6, 6-0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

फ्रेंच ओपन के पुरुष और महिला एकल ड्रा में अब सबालेंका ही एकमात्र सक्रिय ग्रैंड स्लैम चैंपियन बची हैं। वह रोलां गैरो की लाल मिट्टी पर अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। पिछले वर्ष उन्हें फाइनल में कोको गाफ से हार का सामना करना पड़ा था।

यह लगातार 14वां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसमें सबालेंका क्वार्टर फाइनल तक पहुंची हैं।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा,

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरी सर्विस इतनी अच्छी रहेगी। मुझे लगता है कि हर मैच के साथ मेरा खेल बेहतर हो रहा है और आज के प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं।

दूसरी ओर, सुनहरे परिधान में उतरी ओसाका का फ्रेंच ओपन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभियान अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

एक अन्य मुकाबले में आस्ट्रिया की अनास्तासिया पोटापोवा को अन्ना कालिंस्काया के खिलाफ 6-4, 2-6, 7-6 (10-7) से हार का सामना करना पड़ा। कालिंस्काया अब पोलैंड की क्वालीफायर माया ख्वालिंस्का से भिड़ेंगी। माया ने फ्रांस की अंतिम बची खिलाड़ी डियान पैरी को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस बीच, पेरिस के दर्शकों को भी जश्न मनाने का मौका मिला जब पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए, वारेन जाइरे-एमरी और ब्रैडली बारकोला ने कोर्ट पर अपने लगातार दूसरे चैंपियंस लीग खिताब की ट्राफियों का प्रदर्शन किया।

साल्ट और सुयश ने लगातार ने तीन बार आईपीएल ट्राफी जीतकर बनाया रिकार्ड

मुम्बई । रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में जीत के साथ ही टीम में शामिल दो खिलाड़ियों फिल साल्ट वह सुयश शर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साल्ट और सुयश के नाम अब जीत की हैट्रिक का रिकार्ड हो गया है। ये दोनो ही लगातार तीन बार खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं। अब तक ये रिकार्ड पांच-पांच बार अपनी टीमों को खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के नाम भी नहीं है। साल्ट और सुयश आईपीएल 2024 से लेकर आईपीएल 2026 तक, हर साल विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। इसकी शुरुआत आईपीएल 2024 से हुई, जब दोनों खिलाड़ी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शामिल थे। इन दोनो ने ही जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। इसके बाद, आईपीएल 2025 के लिए दोनों खिलाड़ी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हो गए। इस सत्र में भी आरसीबी ने शानदार खेल दिखाते हुए ट्राफी जीती, और अब आईपीएल 2026 में आरसीबी ने अपने खिताब को बरकरार रखा है। इस तरह, साल्ट और सुयश लगातार तीन सत्र में विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं।

महिला त्रिकोणीय टी20 सीरीज: आयरलैंड ने पहली बार वेस्टइंडीज को हराया प्रेंडरगास्ट रहीं मैच की नायिका

डबलिन

आयरलैंड महिला टीम ने त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में इतिहास रचते हुए सोमवार देर रात वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति से 1 रन से हराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आयरलैंड ने फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भी मजबूत कर लिया।

मैच की नायिका कप्तान ओरला प्रेंडरगास्ट रहीं, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने दो विकेट झटके और फिर नाबाद 71 रन की मैच विजयी पारी खेली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। एवा कैनिंग ने पावरप्ले में दो विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को शुरुआती झटके दिए। पांच ओवर के भीतर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पवेलियन लौट गए और टीम दबाव में आ गई। स्थिति तब और खराब हो गई जब स्टेफानी टेलर रन आउट होने के बाद चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। 10 ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर केवल 53/4 था और टीम को बड़े स्कोर के लिए मजबूत साझेदारी की जरूरत थी। इसके बाद जैनिलिया ग्लासगो और शेमेन कैंपबेल ने पारी संभाली। दोनों ने महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संकट से निकाला। कैंपबेल के आउट होने के बाद प्रेंडरगास्ट ने डेथ ओवरों में दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। निचले क्रम के बल्लेबाजों के कुछ उपयोगी चौकों की बदौलत वेस्टइंडीज 20 ओवर में 141/8 तक पहुंचने में सफल रहा।

142 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत भी खराब रही। शानिशा हेक्टर ने पारी की पहली चार गेंदों में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया।

इसके बाद कप्तान प्रेंडरगास्ट ने मोर्चा संभाला। अपने 24वें जन्मदिन पर उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चौकों की झड़ी लगा दी। हालांकि वेस्टइंडीज ने बीच में लगातार तीन विकेट लेकर आयरलैंड को 65/5 के स्कोर पर मुश्किल में डाल दिया।

लेकिन प्रेंडरगास्ट एक छोर पर डटी रहीं और तेजी से रन बनाती रहीं। 14 ओवर के बाद आयरलैंड का स्कोर 95/5 था, जिसमें अकेले प्रेंडरगास्ट के 71 रन शामिल थे। उस समय डीएलएस गणना के अनुसार आयरलैंड जीत से सिर्फ तीन रन पीछे था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। अंपायरों ने एक और गेंद फेंकने का फैसला किया और उस गेंद पर लुईस लिटिल ने किनारा लेकर चौका बटोर लिया। इसके बाद बारिश तेज हो गई और खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा। खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका और डीएलएस नियम के तहत आयरलैंड को 1 रन से विजेता घोषित किया गया।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज महिला: 141/8 (20 ओवर)
जैनिलिया ग्लासगो 36, शेमेन कैंपबेल 31
ओरला प्रेंडरगास्ट 2/26, एवा कैनिंग 2/11

आयरलैंड महिला: 99/5 (14.1 ओवर)
ओरला प्रेंडरगास्ट 71*
शानिशा हेक्टर 2/21

परिणाम: आयरलैंड महिला टीम 1 रन से विजयी (डीएलएस पद्धति)।

नार्वे शतरंज: प्रज्ञानानंद ने अलीरजा फिरोज़जा को हराया, वेस्ली सो शीर्ष पर बरकरार

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के सातवें दौर में रोमांच चरम पर रहा। इस दौर में एक मुकाबले का फैसला क्लासिकल शतरंज में हुआ, जबकि दो अन्य मुकाबलों का नतीजा आर्मागेडन टाईब्रेकर से निकला।

सोमवार को खेले गए सातवें दौर में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने किया। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में अलीरजा फिरोज़जा को पराजित कर खिताबी दौड़ को और रोमांचक बना दिया। लंबे समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त को जीत में बदल दिया। टूर्नामेंट में यह अलीरजा फिरोज़जा की दूसरी क्लासिकल हार रही।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और विन्सेंट कीमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में कार्लसन ने बाजी मारते हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए और शीर्ष खिलाड़ियों पर दबाव बनाए रखा।

वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश और वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। आर्मागेडन में गुकेश ने जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

सातवें दौर के बाद वेस्ली सो 12.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं। अलीरजा फिरोज़जा 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि मैग्नस कार्लसन, विन्सेंट कीमर और आर. प्रज्ञानानंद 9-9 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं।

महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा की बढ़त मजबूत, दिव्या देशमुख दूसरे स्थान पर

नार्वे शतरंज महिला प्रतियोगिता में बिबिसारा असाउबायेवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त और मजबूत कर ली।

सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने झू जिनर को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। मध्य खेल में बढ़त बनाने के बाद उन्होंने आत्मविश्वास के साथ जीत सुनिश्चित की।

भारत की दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। हालांकि आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की और अतिरिक्त अंक हासिल किए।

दूसरे मुकाबले में मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और अन्ना मुज़ीचुक के बीच क्लासिकल बाजी बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद आर्मागेडन में मुज़ीचुक ने जीत हासिल कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अपने खाते में जोड़े।

सातवें दौर के बाद बिबिसारा असाउबायेवा 12.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। अन्ना मुज़ीचुक 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

काइनबेस का भारत में कमबैक, अब आईएमपीएस से करें सीधी जमा-निकासी

भारत में अपार संभावनाएं: बाजार में गतिविधियां धीमी नहीं, काइनबेस को नियमों पर भरोसा

नई दिल्ली

वैश्विक क्रिप्टो एक्सचेंज काइनबेस ने भारत में अपनी उपस्थिति को निर्णायक रूप से मजबूत किया है, करीब दो साल की लगभग अनुपस्थिति के बाद सीधे बैंकिंग लेनदेन और घरेलू क्रिप्टो प्लेटफार्म में रणनीतिक निवेश के माध्यम से अपने परिचालन को फिर से शुरू किया है। यह कदम भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू-आईएनडी) के साथ कंपनी के पंजीकरण के एक साल से अधिक समय बाद आया है, जो भारतीय बाजार के प्रति उसके बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, भले ही नियामक ढांचा अभी भी विकसित हो रहा हो। काइनबेस अब भारतीय ग्राहकों को तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के ज़रिए सीधे अपने बैंक खातों से भारतीय रुपये (आईएनआर) जमा करने और निकालने की सुविधा दे रहा है, जिससे पी2पी चैनलों या बिचौलियों पर निर्भरता समाप्त हो गई है। कंपनी के इस कदम को भारत में क्रिप्टो लेनदेन को अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। काइनबेस में एपीएसी के एक प्रमुख अधिकारी ने इस रणनीतिक फोकस का कारण बताते हुए कहा कि कंपनी भारत में उच्च स्तर की गतिविधियां देख रही है, भले ही स्पष्ट नियम अभी तक नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि यहां बाजार में गतिविधियां धीमी नहीं हुई हैं, हालांकि नियम नहीं बने हैं। हमें कई ऐसे अधिकार क्षेत्रों में काम करने का अनुभव है, जहां हमने नियमों को विकसित और परिपक्व होते देखा है। हमें भारत में नियम बनने को लेकर भरोसा है। यह टिप्पणी भारत के नियामक परिदृश्य के प्रति कंपनी के आशावादी दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। भारत के प्रति अपनी दोहरी रणनीति के तहत, काइनबेस ने घरेलू क्रिप्टो प्लेटफार्म काइनडीसीएक्स और काइनस्विच जैसे प्रमुख खिलाड़ियों में भी निवेश किया है। कंपनी ने अब तक भारत में कुल 10 निवेश किए हैं, जिनमें काइनडीसीएक्स में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी प्रभावी ढंग से यहां (भारत में) काइनडीसीएक्स में महत्त्वपूर्ण निवेश और काइनबेस के अपने खुदरा लान्च के साथ अपने स्वाभाविक विकास के साथ दो तरह की दौड़ में शामिल हो रही है। हालांकि कंपनी ने भारत में अपने उपभोक्ताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया, लेकिन उसने यह संकेत दिया कि भारत में प्रति उपभोक्ता औसत राजस्व अन्य देशों की तुलना में मामूली रहने का अनुमान है, जहां अमेरिका की यह कंपनी सक्रिय है। इसके बावजूद काइनबेस की भारतीय बाजार में सीधी पैठ और स्थानीय निवेशों का मिश्रण नियामक स्पष्टता की प्रतीक्षा करते हुए भी इस क्षेत्र में अपनी जगह बनाने की उसकी दृढ़ इच्छा को दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय कर्मचारियों को 63 फीसदी डीए जुलाई से, 3 फीसदी होगी बढ़ोतरी, सितंबर-अक्टूबर में घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। अनुमान है कि केंद्र सरकार उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा, जो जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा सितंबर या अक्टूबर माह में की जा सकती है। लेबर ब्यूरो की ओर से जारी नवीनतम महंगाई के आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ सकता है। अप्रैल 2026 के लिए जारी आल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फार इंडस्ट्रियल वर्कर्स डेटा 149.9 पर पहुंच गया है, जिसके आधार पर जून तक गणना 63 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। चूंकि डीए को आमतौर पर पूरे अंक में लागू किया जाता है, इसलिए जुलाई से 63 फीसदी डीए मिलने की पूरी संभावना है। इस बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की उम्मीद है। यदि घोषणा सितंबर में होती है, तो कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीनों का एरियर मिलेगा। वहीं अक्टूबर में ऐलान होने पर चार महीने (जुलाई से अक्टूबर) का एरियर देय होगा। उदाहरण के लिए, 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी की मासिक डीए में 540 रुपये की वृद्धि होगी, जिससे सितंबर में 1500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में 2000 रुपये से अधिक का एरियर मिलेगा ।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डालर प्रति बैरल था, जो अब 100 डालर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं।

मारुति सुजुकी की जल्द आएंगी एथनाल से चलने वाली गाडियां

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को भविष्य की बड़ी तकनीक माना जा रहा है।

विशेषज्ञों की माने तो फ्लेक्स फ्यूल तकनीक वाली गाड़ियां 85 से 100 प्रतिशत तक एथनाल मिश्रित ईंधन पर चल सकती हैं, जिससे ईंधन लागत और प्रदूषण दोनों में कमी आती है। मारुति सुजुकी इस दिशा में सबसे पहले अपनी लोकप्रिय हैचबैक वैगनआर का फ्लेक्स फ्यूल संस्करण बाजार में ला सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार कंपनी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस माडल को पेश कर सकती है। इसमें ऐसा इंजन और सेंसर सिस्टम होगा जो ईंधन की गुणवत्ता पहचानकर अपने आप इंजन की सेटिंग बदल सकेगा। इसके बाद मारुति फ्रोंक्स का फ्लेक्स फ्यूल संस्करण भी चर्चा में है। यह माडल 85 प्रतिशत एथनाल मिश्रित ईंधन पर चलने में सक्षम होगा।

टेस्ला ने की आरडब्ल्यूडी वेरियंट में बदलाव की घोषणा

नई दिल्ली

अपनी 2026 माडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) वेरिएंट में टेस्ला कंपनी ने बदलाव की घोषणा की है। टेस्ला ने यह भी बताया है कि इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की डिलीवरी जुलाई 2026 से ग्राहकों को मिलनी शुरू हो जाएगी। कार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 50.89 लाख रुपये हो गई है। साथ ही, टेस्ला ने 67.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) कीमत वाले माडल वाई के लान्ग रेंज प्रीमियम आरडब्ल्यूडी वेरिएंट को बंद कर दिया है।

इस बदलाव के बाद, टेस्ला भारतीय बाजार में माडल वाई के दो वेरिएंट पेश करती है प्रीमियम आरडब्ल्यूडी और एल प्रीमियम एडब्ल्यूडी। बंद किए गए लान्ग रेंज प्रीमियम आरडब्ल्यूडी वेरिएंट की तुलना में, नया पांच सीटों वाला एडब्ल्यूडी माडल अब 11.1 लाख रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है। माडल वाई प्रीमियम सिंगल चार्ज पर 500 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक की सर्टिफाइड रेंज प्रदान करता है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाता है। प्रदर्शन के मामले में, अल्ट्रा-रिस्पान्सिव मोटर्स की बदौलत यह कार मात्र 5.9 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है। इसमें 2,138 लीटर का विशाल स्टोरेज भी मिलता है, जिसमें पावर-फोल्डिंग सीटों के साथ पांच यात्रियों के लिए पर्याप्त जगह और सामान रखने की बहुमुखी व्यवस्था दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से, नवीनतम 6 सीटों वाले माडल वाई सहित दोनों माडलों को दुनिया के कई प्रमुख सुरक्षा संगठनों जैसे एनएचटीएसए, आईआईएचएस, यूरो एनसीएपी, एएनसीएपी और सी-आईएसीआई से शीर्ष सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है, जो सुरक्षा, दक्षता और प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करती है। ग्राहकों के लिए कार खरीदने के अनुभव को आसान बनाने के उद्देश्य से, टेस्ला माडल वाई प्रीमियम आरडब्ल्यूडी अब केवल 6 लाख रुपये के डाउन पेमेंट पर खरीदी जा सकती है, जिसके बाद इसकी मासिक किस्त (ईएमआई) 39,990 रुपये से शुरू होती है। टेस्ला माडल वाई प्रीमियम को अपनाने वाले ग्राहक ईंधन और रखरखाव लागत में हर महीने 20,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं।

विनफास्ट ने वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के डिजाइन पेटेंट के लिए दिया आवेदन

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में विनफास्ट ने अपनी अपडेटेड वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के डिजाइन पेटेंट के लिए आवेदन किया है। वर्तमान में, विनफास्ट भारतीय बाजार में विनफास्ट वीएफ6, वीएफ7 और वीएफ एमपीवी7 सहित तीन माडल पेश करती है। यह पेटेंट सवाल खड़ा करता है कि क्या यह नई वीएफ8 जल्द ही भारतीय सड़कों पर दिखेगी। हालांकि, 2026 विनफास्ट वीएफ8 इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए डिज़ाइन पेटेंट फाइल करना संभावित लान्च का संकेत हो सकता है, यह यह भी दर्शाता है कि ब्रांड अक्सर अपनी बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत में उपलब्ध विनफास्ट वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी, 2026 वीएफ8 की तुलना में अधिक फीचर्स प्रदान करती है, जिससे वीएफ8 के भारतीय लान्च की संभावना पर संदेह पैदा होता है। डिजाइन की बात करें तो, 2026 वीएफ8 ब्रांड के सिग्नेचर विंग-शेप्ड एलईडी डीआरएल और वी-शेप्ड कनेक्टेड लाइटिंग सेटअप के साथ आती है। इसमें एक बड़ी बंद ग्लास ब्लैक ग्रिल, वर्टिकल एक्टिव एयर वेंट्स और बम्पर पर स्लीक हारिजान्टल एयर वेंट्स दिए गए हैं। साइड में नए डिज़ाइन वाले 19-इंच के अलाय व्हील्स और पतली ब्लैक-आउट बाडी क्लैडिंग मिलती है। पीछे की ओर, 2026 वीएफ8 में वी-शेप्ड कनेक्टेड टेललाइट्स दी गई हैं। इंटीरियर में, 2026 विनफास्ट वीएफ8 को नए सिरे से डिज़ाइन किया गया है और इसमें वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो कनेक्टिविटी के साथ एक नया 12.9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है। इसमें एक अलग डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और स्टीयरिंग कालम पर लगा गियर सेलेक्टर भी शामिल है। अन्य फीचर्स में डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, मेमोरी फंक्शन के साथ पावर्ड सीट्स, रिक्लाइनिंग सीट्स, 8-स्पीकर आडियो सिस्टम और एडीएएस सूट शामिल हैं। पावरट्रेन के लिए, 2026 विनफास्ट वीएफ8 में 228 एचपी और 330 एनएम टार्क जनरेट करने वाली फ्रंट-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर लगी है, जिसे 60.13 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक से शक्ति मिलती है।

खनन कंपनियों से 1000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूलेगी झारखंड सरकार

धनबाद

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद परिसदन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) समेत अन्य खनन कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व वन भूमि पर अवैध खनन और ओवरबर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की।

धनबाद में खनन से सरकारी जमीन के उपयोग पर बड़ा खुलासा

इस समीक्षा के बाद समिति ने खुलासा किया कि इन कंपनियों ने बिना अनुमति सरकारी भूमि का उपयोग किया है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। समिति के सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि विभिन्न कोल कंपनियों ने रैयतों और सरकारी जमीन का उपयोग किया है। बीसीसीएल ने सरकारी जमीन के उपयोग के लिए पहले ही 220 करोड़ रुपए राजस्व जमा करा दिए हैं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और ईसीएल ने भी सरकारी जमीन के इस्तेमाल की बात स्वीकार करते हुए राजस्व भुगतान पर सहमति दी है, जिससे राज्य सरकार को कुल 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलेगा। महतो ने जोर दिया कि समिति के आकलन से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नौ महीने पहले सिंदरी विधायक द्वारा ओवरबर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाए जाने के बाद ही इस समिति का गठन किया गया था। समिति यह सुनिश्चित कर रही है कि जिन रैयतों की जमीन खनन के लिए उपयोग की गई है, उन्हें पूरा मुआवजा मिले। इसके लिए जिला प्रशासन और बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में क्षेत्र की अन्य समस्याओं और विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

650 सीसी सेगमेंट की बाइक रायल एनफील्ड बुलेट 650 लान्च

नई दिल्ली। रायल एनफील्ड ने भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित बुलेट 650 सीसी बाइक लान्च कर दी है। यह रायल एनफील्ड की अब तक की सबसे किफायती और लंबी व्हीलबेस वाली 650 सीसी सेगमेंट की बाइक है, जो कंपनी के पैरेलल-ट्विन पोर्टफोलियो में सातवां माडल बन गई है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3,64,856 रुपये रखी गई है। यह कीमत क्लासिक 650 ट्विन के ब्रंटिंगथार्प ब्लू और वल्लम रेड जैसे दो शुरुआती कलर वाले माडलों के बराबर है। बुलेट 350 और क्लासिक 350 की तरह ही, बुलेट 650 में क्लासिक 650 ट्विन के साथ कई समानताएं हैं। दोनों बाइक्स में क्रोम हेडलाइट हुड और टेल-लाइट जैसे घटक एक जैसे हैं। हालांकि, बुलेट 650 के फ्यूल टैंक पर हाथ से पेंट की गई पट्टियां, मेटल टैंक बैज और क्लासिक 650 की तुलना में अधिक चौकोर दिखने वाला पीछे का मडगार्ड इसे एक विशिष्ट पहचान देते हैं। इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए, इसमें क्लासिक 650 के समान डिजी-एनालाग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है, जिसमें फ्यूल गेज और ओडोमीटर के लिए एक छोटी डिजिटल डिस्प्ले शामिल है। साथ ही, पालिश्ड एल्युमिनियम स्विचगियर को भी क्लासिक 650 से ही लिया गया है। इंजन की बात करें तो, बुलेट 650 में रायल एनफील्ड का जाना-पहचाना 647.95 सीसी का पैरेलल-ट्विन, एयर और आयल-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 47 पीएस की अधिकतम पावर और 52.3 एनएम का टार्क जनरेट करता है, जिसे 6-स्पीड गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में ये चमकीली धातु 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई कमी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी स्टाक मार्केट में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई तेजी के कारण मजबूती का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,078.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,599.96 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 114.19 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,086.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 201.85 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 50,877.03 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.68 प्रतिशत टूट कर 10,338.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत लुढक कर 8,146.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 101.66 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,003.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 348.82 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,747 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,583.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत उछल कर 6,171.01 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की छलांग लगा कर 5,059.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 115.50 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,326 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 286.52 अंक यानी 0.63 प्रतिशत टूट कर 45,051.39 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 204.81 अंक यानी 2.33 प्रतिशत लुढ़क कर 8,583.57 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 1,069.33 अंक यानी 1.60 प्रतिशत फिसल कर 65,865 अंक के स्तर पर तक गिर गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 4,056.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 03 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर ही साकार होगा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' : गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारत भारती के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य राष्ट्रीय एकता समारोह आयोजित

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जिस प्रकार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया, उसी प्रकार आज सभी नागरिकों को क्षेत्रवाद, जातिवाद एवं संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

नुमाइश मैदान में भारत भारती (राष्ट्रीय एकता के प्रति कटिबद्ध) एवं भारत भारती भाग्यनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत, एकता दिवस एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के 28 राज्यों की सांस्कृतिक झलक, लोकनृत्य, संगीत एवं पारंपरिक खान-पान के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्होंने भारत की विविधता में एकता का संदेश दिया।

दीप प्रज्ज्वलन एवं सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने समारोह को संबोधित किया।

राष्ट्र एकीकरण में सरदार पटेल का योगदान अविस्मरणीय

अपने संबोधन में श्री शेखावत ने कहा कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल का राष्ट्र एकीकरण में ऐतिहासिक योगदान नहीं होता, तो आज भारत अनेक टुकड़ों में बंटा हुआ होता। उन्होंने कहा कि 562 रियासतों में से कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद के निजाम ने प्रारंभ में भारतीय संघ में विलय से इंकार किया था, लेकिन सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता, कूटनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर सभी रियासतों का भारत में विलय कराकर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, एकता और संकल्प का पर्व है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में संस्कृति मंत्रालय द्वारा वर्षभर देशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी सरदार पटेल के योगदान से प्रेरणा प्राप्त कर सके।

देश के विकास में सभी को निभानी होगी भूमिका

श्री शेखावत ने कहा कि भारत आज विश्व मंच पर नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है तथा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव ने कहा कि सरदार पटेल का योगदान देश कभी नहीं भूल सकता। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के महापुरुषों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का महत्व-पूर्ण कार्य कर रहे हैं।

सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने ऑनलाइन संदेश के माध्यम से सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यदि उन्होंने हैदराबाद रियासत का भारत में विलय नहीं कराया होता तो राष्ट्रीय एकता प्रभावित होती। आज भारत की अखंडता और मजबूती में उनके योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत भारती के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष विनय पत्राले ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संस्था पिछले दो दशकों से अधिक समय से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता एवं युवा जागरण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से देश के विभिन्न शहरों में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान देश के 28 राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोकनृत्य, गीत एवं पारंपरिक वेशभूषा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने। एनसीसी कैडेट्स द्वारा भव्य मार्च पास्ट भी प्रस्तुत किया गया।

श्री राजयोगी मेवाड़ मठ पीठाधीश्वर रोहित गोपाल सुतजी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक शक्ति ने हर चुनौती का सामना किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से मातृभूमि की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम से पूर्व केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सरदार पटेल पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

समारोह में साध्वी कपिला गोपाल सरस्वतीजी, विनय पत्राले, राष्ट्रीय संगठन मंत्री जगन्नाथ स्वाई, दक्षिण प्रभारी डॉ. मीनाक्षी, सचिव कर्नल नागेश, संगठन मंत्री प्रीतम पांडेय, कनक कुमार, हरि नायर, रवि अनुपाल, सुरेश कुमार, संयोजक आले भास्कर, प्रोटोकॉल विभाग संयोजक जसमत पटेल, सीबीआई के पूर्व निदेशक लक्ष्मीनारायण, एम. अरुण ज्योति, चंद्रकांत चौहान, खेताभाई लींबाणी, प्रवण भाई सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त अग्रवाल समाज तेलंगाना, हरियाणा नागरिक संघ तेलंगाना, गुजराती समाज, श्री गुजरात सेवा मंडल सिकंदराबाद, साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन, श्री पाटीदार समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, श्री गुजराती पाटीदार समाज, श्री जैन सेवा संघ, श्री कच्छी मित्र मंडल, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज, लोहाणा समाज, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, श्री माली समाज, आंध्र-तेलंगाना माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी सभा, वल्लभ यूथ ऑर्गेनाइजेशन, पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, गोवत्स फाउंडेशन, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन, तेलंगाना गौ सेवा समिति, अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, गुजराती मूवी क्लब, सीरवी समाज, राजस्थानी प्रगति समाज एवं अन्य अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

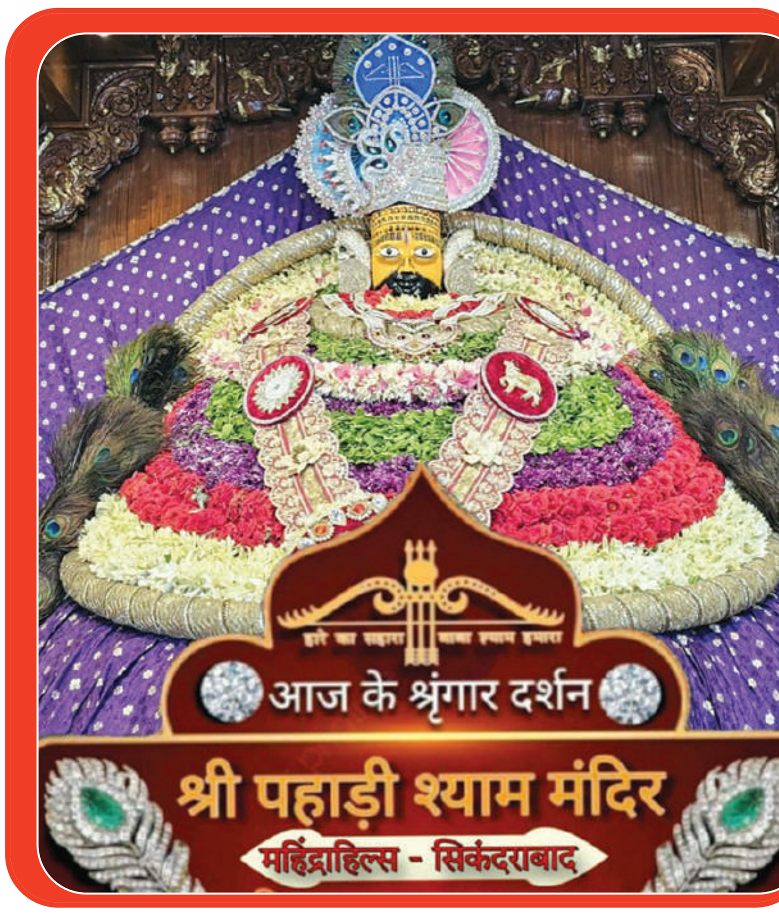

श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

शालिबंडा से हरिबोली तक धूमधाम से निकाली गई कलश यात्रा

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): श्रीमद्भागवत कथा पूजा कार्यक्रम के पावन अवसर पर आज (मंगलवार) सुबह शालिबंडा स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह भव्य यात्रा लालदरवाजा एक्स रोड, सुधा थिएटर और बेला एक्स रोड से होते हुए हरिबोली स्थित श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर पहुंची। इसके पश्चात श्री अक्कन्ना मादन्ना प्रार्थना हॉल में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना पूजा संपन्न की गई। शाम को 3 बजे से 7 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया गया। यह संगीतमय कथा आगामी 8 जून 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक अनवरत जारी रहेगी। चित्रकूट धाम से पधारे पूज्य राम संजीव शास्त्री एवं उनकी टीम द्वारा कथा का रसपान कराया जा रहा है।

धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना मंदिर के मुख्य पुजारी भागवत प्रसाद एवं उनकी टीम द्वारा संपन्न कराई गई। कथा के प्रथम दिन की मुख्य पूजा यजमान दंपत्ति आर. किरण कुमार एवं एडवोकेट उषा शर्मा द्वारा विधि-विधान से की गई।

इस भव्य धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं की देखरेख मंदिर समिति के अध्यक्ष डी.आर. प्रभाकर, सचिव के. दत्तात्रेय, प्रतिनिधि ए. सतीश, जगमोहन कपूर, एस.पी. क्रांति कुमार, एम. विनोद, लोकेश सुगंधी, ए. गोपाल, जी. राजू, साई किरण पवार, विशाल, मुकेश और अन्य सदस्यों ने मिलकर की।

तेलंगाना आंदोलनकारियों की सेवाओं को स्मरण करना हर तेलंगाना नागरिक का कर्तव्य है : बंडारू दत्तात्रेय

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले और आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारियों को सम्मानित करना अत्यंत आनंददायक है, यह बात पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कही।

अलई-बलई फाउंडेशन के तत्वावधान में 2 जून को शाम 4 बजे हैदराबाद के बाग लिंगमपल्ली स्थित सुंदरैया विज्ञान केंद्रम में आयोजित "तेलंगाना आंदोलनकारियों के सम्मान समारोह" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य की प्राप्ति लाखों लोगों के बलिदान, छात्रों के संघर्ष, कर्मचारी संघों के प्रयास, कलाकारों की चेतना, बुद्धिजीवियों के मार्गदर्शन और आंदोलनकारियों के समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेकर राज्य की प्राप्ति के लिए अपनी सेवाएं देने वाले विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को इस कार्यक्रम में सम्मानित करने का मुख्य लक्ष्य उनकी सेवाओं को पहचान देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए उन्हें प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित करना है।दत्तात्रेय ने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारी वीरों के बलिदानों को कभी नहीं भुलाया जाना चाहिए, और राज्य का विकास तथा जनता का कल्याण ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

श्रीमती विजय लक्ष्मी के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल श्री सी.एच. विद्यासागर राव, सांसद श्री ईटेला राजेंद्र, सांसद श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, एमएलसी श्री प्रो. कोदंडराम, श्री सी.एच. विट्ठल, श्री प्रो. पुरपाटी वेंकट नारायण, श्री बूरा नरसैया गौड़, श्री पाशम यादगिरी सहित तेलंगाना आंदोलनकारी, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

श्री राधाकृष्ण जी महाराज के सान्निध्य में निकली भव्य प्रभात फेरी, धर्म जागरण का दिया संदेश

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्ञानबाग कॉलोनी में श्री राधाकृष्ण जी महाराज के सान्निध्य एवं प्रेरणा से आयोजित प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म एवं आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया।

जानकारी के अनुसार, लगभग 11 वर्ष पूर्व श्री राधाकृष्ण जी महाराज की प्रेरणा से ज्ञानबाग कॉलोनी प्रभात फेरी मंडल का गठन किया गया था। समाजसेवी गोकुलचंद उपाध्याय के अथक प्रयासों तथा कॉलोनीवासियों के निरंतर सहयोग से यह प्रभात फेरी आज एक व्यापक धार्मिक एवं सामाजिक स्वरूप ग्रहण कर चुकी है।

1 जून 2026 को आयोजित प्रभात फेरी का नेतृत्व स्वयं श्री राधाकृष्ण जी महाराज ने किया। प्रभात फेरी में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखकर महाराजजी ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा मंडल के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागृति एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर महाराजजी ने ज्ञानबाग कॉलोनी के सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। उन्होंने प्रभात फेरी मंडल के गठन और उसके निरंतर संचालन में गोकुलचंद उपाध्याय के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

सिखवाल प्रगति समाज की ओर से भी गोकुलचंद उपाध्याय को सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा जनमानस में धार्मिक चेतना जागृत करने के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। समाज के प्रतिनिधियों ने अधिक से अधिक लोगों से प्रभात फेरी से जुड़कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

तेलंगाना देश में प्रथम और भारत विश्व में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करे : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में तेलंगाना स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया गया तथा तेलंगाना राज्य और देश की समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की गईं।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव और प्रेरणा का दिवस है। यह दिन हमें राज्य के विकास, प्रगति और जनकल्याण के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि हमारी कामना है कि तेलंगाना विकास, शिक्षा, उद्योग, कृषि, रोजगार और जनसेवा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बने तथा भारत विश्व में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करे। राष्ट्र की उन्नति तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए समाज के विकास में योगदान दे।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद विगत कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। अन्नदान, सेवा और सहयोग के माध्यम से संगठन जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती उसके संस्कारों, सेवा भावना और आपसी सहयोग पर निर्भर करती है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनता है, तब एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राज्य और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने और उन्हें निभाने का भी अवसर है। हमें अपने कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप इसी उद्देश्य के साथ नियमित रूप से अन्नदान और विभिन्न सेवा कार्यों का संचालन कर रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, गजराज श्रीमाल, महेश अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम पीपावत, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सतीश गुप्ता, गोपाल गोयल, विशाल अग्रवाल एवं शिवानी अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने अन्नदान सेवा में सहयोग प्रदान किया।

फ्रेश इंडिया शो 2026 संपन्न : वैश्विक भागीदारी और प्रभावी बिज़नेस नेटवर्किंग का बना प्रमुख मंच

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ताज़े फल एवं कृषि उत्पाद उद्योग के प्रतिष्ठित आयोजन फ्रेश इंडिया शो 2026 का सफल समापन व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और प्रभावी व्यावसायिक नेटवर्किंग के साथ हुआ।

आयोजन के दूसरे दिन निर्यातकों, आयातकों, उत्पादकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), खरीदारों तथा उद्योग विशेषज्ञों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम ने वैश्विक नेटवर्किंग, व्यावसायिक सहयोग और व्यापार विस्तार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रिवर्स बायर-सेलर मीट (आरबीएसएम) रहा, जिसके माध्यम से अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और भारतीय ताज़े उत्पादों के निर्यातकों, उत्पादकों, एफपीओ तथा विक्रेताओं के बीच 200 से अधिक व्यावसायिक बैठकों का सफल आयोजन किया गया। इन बैठकों ने नए व्यापारिक अवसरों और संभावित साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त किया।

संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, रूस, स्विट्ज़रलैंड और कनाडा सहित कई देशों के अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। उनकी उपस्थिति ने भारतीय ताज़े कृषि उत्पादों के प्रति वैश्विक बाजार की बढ़ती रुचि को रेखांकित किया।

प्रदर्शनी स्थल पूरे दिन गतिविधियों से गुलज़ार रहा। यहां गार्डन ऑफ यूरोप, कॉमेक्स फार्म, एडीके, अन्नाफ्रूटास (ब्राज़ील), सह्याद्रि फार्म्स तथा एपीडा जैसे प्रतिष्ठित प्रदर्शकों ने अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान विभिन्न व्यावसायिक नेटवर्किंग सत्र, उद्योग से संबंधित चर्चाएं तथा व्यापारिक वार्ताएं लगातार आयोजित होती रहीं।

फ्रेश इंडिया शो 2026 के सफल आयोजन का श्रेय मीडिया टुडे ग्रुप के सीईओ एवं मुख्य समन्वयक एम. बी. नकवी, मुख्य संपादक एस. जफर नकवी तथा उनकी टीम के सदस्यों सुश्री निवेदिता मंडल, सुश्री आयुषी श्रीवास्तव और श्री असीम इकबाल के समर्पित एवं अथक प्रयासों को जाता है। आयोजन ने ताज़े उत्पाद उद्योग के विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर व्यापारिक सहयोग और वैश्विक संपर्कों को नई दिशा प्रदान की।

सीबीएसई को मिला नया चेयरमैन: लोखंडे प्रशांत सीताराम नियुक्त, पुराने अध्यक्ष-सचिव का तबादला

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां):
केंद्र सरकार ने मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। आईएएस अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम को बोर्ड का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है, जबकि पुराने चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता को हटा दिया गया है। सरकार की ओर से यह कदम 12वीं की परीक्षा के मैनेजमेंट पर उठे सवाल, मूल्यांकन प्रक्रियाओं में आ रही व्यावहारिक और तकनीकी दिक्कतों और जवाबदेही से जुड़े प्रश्नों के बीच उठाया गया है।

ओएसएम विवाद के बीच बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

सरकार ने पुराने चेयरमैन राहुल सिंह और सीबीएसई के सचिव हिमांशु गुप्ता को हटाने के बाद आईएएस लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई का नया चेयरमैन बनाया है। वरिष्ठ नौकरशाह वरुण भारद्वाज को बोर्ड का नया सचिव नियुक्त किया गया है। लोखंडे प्रशांत सीताराम अभी गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बीई मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और एजीएमयूटी कैडर के आईएएस हैं, जिनका गृह राज्य महाराष्ट्र है। सीबीएसई के पुराने सचिव हिमांशु गुप्ता को प्रशासनिक आधार पर उनके मूल कैडर गृह मंत्रालय में वापस भेजा जाएगा, जबकि पूर्व चेयरमैन राहुल सिंह की नियुक्ति कृषि और कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के तौर पर की गई है।

एक-सदस्यीय जांच समिति गठित, छात्रों की शिकायतों पर एक्शन

बता दें कि सरकार की ओर से यह कदम ओएसएम (ऑन-स्क्रीन मार्किंग) सिस्टम की खामियों और छात्रों की शिकायतों के बाद उठाया गया है। केंद्र सरकार ने डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़ी सेवाओं की खरीद की जांच के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस. राधा चौहान की अध्यक्षता में एक-सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति का काम ओएसएम सिस्टम के लिए सेवाओं की खरीद से जुड़े मामलों की जांच करना है और इसे अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर सौंपनी होगी। यह कदम छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिन्होंने डिजिटल मार्किंग फ्रेमवर्क के तहत तकनीकी समस्याओं, पेमेंट से जुड़ी दिक्कतों और वेरिफिकेशन तथा री-इवैल्यूएशन के नतीजे मिलने में हो रही देरी को लेकर चिंता जताई थी। मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, समिति को आवश्यकता पड़ने पर अन्य विभागों के अधिकारियों की सहायता लेने का अधिकार दिया गया है और समिति को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सौंपनी होगी।

'यह जवाबदेही नहीं, लीपापोती है', राहुल गांधी का हमला

इस बीच, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीबीएसई की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव के तबादले को 'लीपापोती' करार दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हटाया गया है, लेकिन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचा लिया गया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि यदि प्रधानमंत्री को 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए करीब 18.5 लाख छात्रों की वास्तव में चिंता होती, तो शिक्षा मंत्री को बहुत पहले ही पद से हटा दिया गया होता। उन्होंने लिखा, 'सीबीएसई अध्यक्ष का तबादला, सीबीएसई सचिव का तबादला, एक सदस्यीय जांच समिति का गठन और असली जिम्मेदार धर्मेंद्र प्रधान सुरक्षित। अधिकारियों को हटाया गया, लेकिन मंत्री को बचा लिया गया। यह जवाबदेही नहीं, बल्कि लीपापोती है।' कांग्रेस नेता ने मांग दोहराते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए और पूरे मामले की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि यह कोई ऐसा आंतरिक मामला नहीं है जिसे एक महीने में दबा दिया जाए। गौरतलब है कि सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली के क्रियान्वयन को लेकर छात्रों और अभिभावकों ने कई तरह की चिंताएं और शिकायतें उठाई थीं, जिसके बाद यह विवाद सामने आया।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर टीआरएस नेताओं ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, शहीदों को किया नमन

बांसवाड़ा, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गठन दिवस के अवसर पर टीआरएस बांसवाड़ा के पदाधिकारियों ने विधानसभा क्षेत्र प्रभारी ममिंडला राजू के नेतृत्व में हैदराबाद स्थित पार्टी नेता कविताक्का के आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राज्य स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। ध्वजारोहण के पश्चात पदाधिकारियों ने कविताक्का को तेलंगाना गठन दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना आंदोलन के शहीदों और राज्य निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई ममिंडला राजू ने कहा कि टीआरएस सदैव तेलंगाना के आत्मसम्मान, अधिकारों और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है तथा भविष्य में भी इसी भावना के साथ कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आर्य कन्या विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तान बाज़ार स्थित आर्य कन्या विद्यालय, कन्दास्वामी लेन में तेलंगाना स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री श्रुतिकान्त भारती द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष प्रताप रूद्र एवं मुख्य अतिथि श्री श्रुतिकान्त भारती ने तेलंगाना स्थापना दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्य के विकास, सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी तेलंगाना स्थापना दिवस से संबंधित प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत किए तथा राज्य की गौरवशाली यात्रा का उल्लेख किया।

बजरंग सेना द्वारा अन्नदान का आयोजन

दिवंगत प्रेमलता अग्रवाल जी को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
अधिक मास और तेलंगाना स्थापना दिवस के पावन अवसर पर, बजरंग सेना के संयुक्त सचिव सुनील अग्रवाल की माता जी दिवंगत श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल की स्मृति में गौलीगुड़ा स्थित श्री राम मंदिर में एक भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में बजरंग सेना टीम के मनोज, सुनील, श्रीनिवास और अकुला रेड्डी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सेवा की इस अनूठी पहल का नेतृत्व बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव ने किया। उनके साथ बजरंग सेना के समर्पित सदस्यों ने पूरे दिल से इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्रद्धालुओं और स्थानीय समुदाय के लोगों को भोजन परोसा और सेवा की।

मंगलहाट में हर्षोल्लास के साथ मनाया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)
तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मंगलहाट डिवीजन अंतर्गत रहीमपुरा प्ले ग्राउंड के पास स्थित तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा पर भारी उत्साह और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर मंगलहाट की पूर्व कॉर्पोरेटर एवं खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) की उपाध्यक्ष परमेश्वरी सिंह लोध ने मुख्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने राज्य के विकास, समृद्धि और प्रगति का जश्न मनाने के लिए नरेश सिंह जी, शशिराज सिंह, राकेश सिंह, किरण मुदिराज, शोभा बाई, रेणुका अक्का, पी. शांता बाई और अन्य प्रमुख व गणमान्य व्यक्तियों के साथ हाथ मिलाया और एकजुटता दिखाई। इस दौरान सभी उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने राज्य की निरंतर प्रगति और सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए तेलंगाना स्थापना दिवस की शुभकामनाएं साझा कीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अल...

को पहले ही बहुत गर्म कर दिया है। जब यह प्राकृतिक अल-नीनो इंसानी गतिविधियों से गर्म हुई धरती से टकराता है, तो इसका असर कई गुना बढ़ जाता है। गर्म वातावरण में ऊर्जा और नमी सोखने की क्षमता ज्यादा होती है, जिसके कारण अल-नीनो से जुड़ी आपदाएं- जैसे अचानक आने वाली भयंकर बाढ़ या हफ्तों तक चलने वाली जानलेवा हीटवेव और अधिक हिंसक और विनाशकारी रूप ले लेती हैं।

तैयारियों का समय अभी: डब्ल्यूएमओ की देशों से अपील

डब्ल्यूएमओ की ओर से जारी इन चेतावनियों का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर की सरकारों और मानवीय सहायता एजेंसियों को समय रहते कदम उठाने का मौका देना है। अग्रिम मौसमी पूर्वानुमानों की मदद से कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक योजनाएं बनाई जा सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इस संकट से निपटने का एकमात्र प्रभावी तरीका यही है कि दुनिया जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को तुरंत खत्म करे, रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ बढ़े और दुनिया के हर नागरिक तक 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' की पहुंच सुनिश्चित करे ताकि समय रहते बहुमूल्य जान-माल की रक्षा की जा सके।

मैं न...

नागरिकों पर हमला करना बंद नहीं किया, तो इजरायल बेरुत में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करेगा। हमारा ये रुख बिल्कुल नहीं बदला है। इसके साथ ही, इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में अपनी कार्रवाई जारी रखेगी।'

हम असली...

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि ममता ने जो बोया, वही काट रही हैं। असलियत यह है कि उनके पास विरोध करने के लिए लोग ही नहीं हैं। मुझे नहीं लगता टीएमसी आगे जिंदा रह पाएगी। टीएमसी के कार्यकर्ताओं में बहुत असंतोष है। ममता को अब 'इंडिया' ब्लॉक को मजबूत करने के बारे में सोचना चाहिए।

टीएमसी टूट की 3 संभावनाएं

पहली: दो तिहाई विधायक भाजपा में शामिल हों। टीएमसी के कुल 80 विधायकों में से दो तिहाई (54 विधायक) भाजपा में शामिल होने का फैसला लें। ऐसे में दलबदल कानून नहीं लगेगा। हालांकि भाजपा ने इनकार कर दिया है।

दूसरी: टीएमसी में 2 गुटों में बंट जाए। एक ग्रुप पार्टी से अलग होकर असली टीएमसी का दावा करे। इसके लिए भी 54 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। अगर ऐसा होता है तो बड़े गुट के दावे पर चुनाव आयोग फैसला लेगा। मामला कोर्ट भी जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो-तिहाई यानी 28 में से 19 लोकसभा सांसदों की भी जरूरत भी होगी। किसी पार्टी के बागी नेताओं के लिए सिर्फ विधानसभा संख्या ही निर्णायक नहीं होती। शिवसेना और एनसीपी मामलों में निर्वाचन आयोग ने केवल विधायक नहीं देखे थे, बल्कि यह भी देखा था कि कितने सांसद किसके साथ हैं, पार्टी संगठन किसके साथ है, अधिकृत पदाधिकारी किसके साथ हैं। अगर नया गुट सांसदों को अपनी तरफ नहीं ला पाता है तो उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का पद तो मिल सकता है, लेकिन पार्टी का नाम और चिन्ह नहीं मिल सकता। अगर टीएमसी के विधायक टूट जाएं, लेकिन सांसद, संगठन, जिला अध्यक्ष, राज्य कमेटी और पार्टी संविधान का कंट्रोल ममता के पास रहे, तो बागी गुट को नया दल बनाना पड़ सकता है।

तीसरा: नया गुट अलग होकर अपनी नई पार्टी बना सकता है। इसके लिए भी 54 विधायकों को एक साथ टीएमसी छोड़कर नई पार्टी में शामिल होना पड़ेगा।

धान खरीद में ...

शिक्षा क्षेत्र में शुरू किए गए सुधारों पर उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य भर के 1,362 प्राथमिक विद्यालयों में पहले ही प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा, ''इस वर्ष, हम 2,769 स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं स्थापित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन दर में वृद्धि होने की उम्मीद है।''

वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य

विभिन्न सरकारी योजनाओं और क्षेत्रों में क्रियान्वयन व उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य राज्य को ''दुनिया के प्रवेश द्वार'' (गेटवे टू द वर्ल्ड) के रूप में स्थापित करना और 2047 तक इसे 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना है। राज्य में चल रही भीषण गर्मी और मौजूदा ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपना भाषण संक्षिप्त कर दिया। उन्होंने दो दिन पहले ही अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि गर्मी को देखते हुए कार्यक्रम को छोटा रखा जाए और मेहमानों तथा अन्य उपस्थित लोगों को गर्मी से राहत दिलाने के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

अन्नामलाई का...

नेताओं द्वारा बार-बार की जा रही गलतियों और चूकों के कारण युवा मतदाता, विशेषकर शहरी क्षेत्रों के युवा, अब एक नया विकल्प तलाश रहे हैं। भविष्य के चुनावों में युवा पीढ़ी न केवल पारंपरिक द्रविड़ दिग्गजों बल्कि टीवीके के विकल्प के रूप में भी किसी नए चेहरे की ओर देख सकती है। ऐसे में अन्नामलाई की पार्टी को अच्छा जनसमर्थन मिल सकता है। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के नाते अन्नामलाई की युवाओं के बीच पहले से ही एक मजबूत छवि और लोकप्रियता है। जानकारों का मानना है कि यदि वह अपनी 'भगवा' यानी कट्टर हिंदुत्व वाली छवि को पीछे छोड़कर आगे बढ़ते हैं, तो वह युवाओं को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने में सफल हो सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जाने और अन्नाद्रमुक से गठबंधन पर नाराजगी

व्यक्तिगत रूप से, अन्नामलाई अप्रैल 2025 में प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद से काफी समय से नाखुश थे और पार्टी में अपने साथ हुए व्यवहार को लेकर लगातार नाराजगी के संकेत दे रहे थे। सोमवार को जब उन्हें चेन्नई हवाई अड्डे पर भाजपा के झंडे के बिना एक कार में यात्रा करते हुए देखा गया, तो पत्रकारों के पूछने पर उन्होंने कहा था कि वह एक-दो दिनों में अपनी भावी योजना का खुलासा करेंगे।

इस्तीफा देने के साथ ही अन्नामलाई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पांच पन्नों का एक नोट भी सौंपा है, जिसमें उन्होंने पार्टी छोड़ने के कारणों को स्पष्ट किया है। उनकी मुख्य शिकायतों में से एक भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करना था। अन्नाद्रमुक के महासचिव अन्नामलाई के प्रति आक्रामक रहे हैं और यह भी चर्चा है कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटवाने में अन्नाद्रमुक नेता की बड़ी भूमिका थी।

तमिल अस्मिता और भविष्य की नीतियां

अन्नामलाई के करीबियों का कहना है कि नई दिल्ली से चेन्नई पहुंचते ही वह अपनी नई पार्टी शुरू करने के काम में पूरी तरह जुट जाएंगे, जिसका ब्लूप्रिंट (योजना) पहले ही तैयार किया जा चुका है। गौरतलब है कि अन्नामलाई ने पहले भी सीबीएसई स्कूलों में त्रि-भाषा प्रणाली को लागू करने का विरोध करके हिंदुत्व की स्थापित छवि से इतर अपनी एक अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश की थी। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि उनकी नई पार्टी ऐसी नीतियों और सिद्धांतों को अपनाएगी जो तमिलनाडु के लोगों को स्वीकार्य हों, हालांकि वे पूरी तरह से हिंदुत्व की विचारधारा के खिलाफ भी नहीं जाएंगे।

डीके युग...

बनाए जा सकते हैं और सिद्धरमैया मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों को नए मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। अभी डिप्टी सीएम के तौर पर जी. परमेश्वर का नाम सामने आया है। रविवार को शिवकुमार से मुलाकात के बाद सिद्धरमैया के बेटे और एमएलसी यतींद्र सिद्धरमैया ने कहा था कि उन्हें अगले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने दावा किया था कि आलाकमान ने उन्हें मंत्री पद देने का आश्वासन भी दिया है। कर्नाटक में 34 मंत्री बनाए जा सकते हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि बुधवार को 10 से 12 मंत्री ही शपथ लेंगे। अब तक 10 विधायकों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें मंत्री बनाया जा सकता है। इनमें- जी. परमेश्वर, केजे जॉर्ज, यतींद्र सिद्धारमैया, प्रियांक खड़गे, एमबी पाटिल, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरेगौड़ा, रामलिंगा रेड्डी, यूटी खदर और ईश्वर खंड्रे शामिल हैं।

डिप्टी सीएम पद को लेकर घमासान, कई नेताओं के समर्थकों ने किया शक्ति प्रदर्शन

कर्नाटक की नई सरकार में डिप्टी सीएम पद को लेकर घमासान शुरू हो गई है। कई विधायकों के समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं को डिप्टी सीएम बनाने की मांग की है। विधायकों के अलग-अलग खेमों ने केएच मुनियप्पा, जी. परमेश्वर, शिवानंद पाटिल, प्रियांक खड़गे, ईश्वर खंड्रे, एचसी महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली, एमबी पाटिल, यतींद्र सिद्धरमैया को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठी है। मंगलवार को मुनियप्पा के समर्थकों ने बेंगलुरु में शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने नेता को डिप्टी सीएम बनाने की मांग की। यतींद्र के समर्थकों ने भी मैसूरु के रामास्वामी सर्किल में इसी तरह की रैली की। इस बीच, महादेवप्पा के समर्थकों ने चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट में अपने नेता को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसी तरह, बसवना बागेवाड़ी में शिवानंद पाटिल के समर्थकों ने भी ऐसी ही मांग की। प्रियांक खड़गे, ईश्वर खंड्रे और एमबी पाटिल के समर्थकों ने भी अपने-अपने नेताओं को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग करते हुए बयान जारी किए।

शपथ से पहले डीके ने गांधी परिवार का जताया आभार, कहा- राजीव गांधी ने देखी थी क्षमता

शपथ ग्रहण से पहले डीके शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए अपने राजनीतिक सफर में भूमिका निभाने के लिए गांधी परिवार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि 'मैं अक्सर राजीव गांधी को याद करता हूं, जिन्होंने एक युवा कार्यकर्ता में मुझसे पहले ही क्षमता देखी थी। उन्होंने मुझे बड़े सपने देखने और खुद को जनसेवा के लिए समर्पित करने का आत्मविश्वास दिया।' एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'सोनिया गांधी ने मुझे नेतृत्व का एक अहम पाठ सिखाया। सच्चे नेता केवल सफलता के क्षणों में ही आपका साथ नहीं देते, वे आपके सबसे कठिन समय में भी आपके साथ खड़े रहते हैं।

मेरे जीवन के चुनौतीपूर्ण दौर में मुझ पर उनका विश्वास मेरे लिए हमेशा अनमोल रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि 'राहुल गांधी मेरे लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। उनकी सुनने की तत्परता, लोकतांत्रिक मूल्यों में उनका दृढ़ विश्वास और ज्यादा समावेशी और करुणामय भारत के लिए उनका दृष्टिकोण मुझ जैसे नेताओं को लगातार प्रेरित करता रहता है। प्रियंका गांधी ने हमेशा सुलभ, स्नेही और प्रोत्साहन देने वाली रही हैं।

उन्होंने हर कार्यकर्ता के साथ सम्मान और गरिमा का व्यवहार किया है और हमें याद दिलाया है कि राजनीति आखिरकार लोगों से जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं को समझने के बारे में है। उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन का मैं हमेशा से बहुत महत्व रखता हूं।' शिवकुमार ने गांधी परिवार का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि 'एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत करने वाले और आज कर्नाटक का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं उनके विश्वास और प्रोत्साहन के लिए अत्यंत आभारी हूं।' कर्नाटक में डीके शिवकुमार का शपथ ग्रहण 4 बजकर 5 मिनट पर होगा। शपथ ग्रहण समारोह पहले विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर आयोजित करने की योजना थी। हालांकि, अब यह लोक भवन में ही होगा। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला के इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ केंद्रीय नेताओं के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न मठों के महंतों सहित सभी प्रमुख समुदायों के धर्म गुरुओं को आमंत्रित किया गया है। बताया जा रहा है कि समारोह में लगभग 55 संतों और धर्मगुरुओं को आमंत्रित किया गया है। इनमें आदिचुंचनगिरि मठ के प्रमुख निर्मलानंदनाथ स्वामीजी भी शामिल हैं। मुस्लिम धर्मगुरुओं और ईसाई पादरियों को भी कार्यक्रम में बुलाया गया है।

लोक डायरो ने बांधा समां, गुजराती लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने जीता दर्शकों का दिल

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत भारती भाग्यनगर द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित लोक डायरो कार्यक्रम ने सांस्कृतिक रंगों और लोक कला की मधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में गुजरात के प्रसिद्ध लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोक गायिका हेतल वाडिया, गायक जयदीप भट्टी, मीरा पटेल, लोक साहित्यकार आनंदभा गडवी तथा मोरबी-वावड़ी के सुरेश पटेल उस्ताद ने लोक संगीत, गीत एवं साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों के साथ-साथ गुजराती हास्य-व्यंग्य और चुटकुलों से भी वातावरण को आनंदमय बना दिया।

वाद्य संगीत ने बढ़ाई कार्यक्रम की गरिमा

कार्यक्रम में मनोज पटेल, संजीदा ग्रुप के महेन्द्र, मयूर जानी एवं मेहूल पटेल ने अपने उत्कृष्ट वाद्य संगीत से कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। उनकी प्रस्तुतियों ने लोक संगीत के रंगों को और अधिक जीवंत बना दिया।

जसमत भाई पटेल का हुआ अभिनंदन

इस अवसर पर लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल को भारत भारती एक्सीलेंसी अवार्ड प्राप्त होने पर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

गणमान्य अतिथियों का किया गया स्वागत

कार्यक्रम में भारतीय प्राण मित्र संघ, रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार, श्री पाटीदार समाज के अध्यक्ष सुरेश पटेल, पूज्य डोंगरेजी महाराज गौशाला के अशोक पटेल एवं किरण पटेल, अखिल भारतीय प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट के अध्यक्ष आर.के. जैन, वल्लभ युवा संगठन के डेनिश पटेल एवं कौशिक पटेल, शिवाजी फाउंडेशन के सी.डी. चौहान, अजीत पारस जैन युवा संगठन के निदेशक नरेश जैन तथा श्री जैन सेवा संघ के कार्यकर्ता सदस्य आनंद बोहरा जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।इन सभी अतिथियों का स्वागत भारत भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय पत्राले, जसमत पटेल, संजय घनाते, अले भास्कर, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, पिंटू भाई, मनमीत सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।कार्यक्रम का समापन भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं एवं राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर कर्मभूमि और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ अन्नदान कर मानवता का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस केवल एक राज्य के गठन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस भूमि के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का भी अवसर है जिसने हमें कार्य करने, आगे बढ़ने और समाज में अपनी पहचान बनाने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी कर्मभूमि और मातृभूमि दोनों के प्रति समान श्रद्धा और सम्मान का भाव रखना चाहिए। जहां हमारी जन्मभूमि हमें संस्कार, संस्कृति और पहचान देती है, वहीं कर्मभूमि हमें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के बाद व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। सेवा, सहयोग और परोपकार के माध्यम से ही समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, शिव भगवान, दीपचंद, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, रेनू गुप्ता, महेश गोयल, लता गोयल, शिवानी अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, तनुश्री अग्रवाल, राशि अग्रवाल, श्री अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, ऋषिक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, नातिक अग्रवाल एवं ईशा अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और अन्नदान सेवा में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने तेलंगाना राज्य की निरंतर प्रगति, देश की उन्नति तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप भविष्य में भी अपने सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करता रहेगा।

हैदराबाद जिला शिक्षा कार्यालय में मनाया गया तेलंगाना स्थापना दिवस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर हैदराबाद जिला शिक्षा कार्यालय (डीईओ कार्यालय) में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) श्रीमती रोहिणी मैडम ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को तेलंगाना स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस गरिमामयी समारोह में सहायक निदेशक श्री श्रीनिवास रेड्डी सर, टीएनजीओस यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट अध्यक्ष एवं टीएनजीओस यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना सेंट्रल फोरम के अध्यक्ष श्री के.आर. राजकुमार, संगठन सचिव श्री फिरोज अहमद, ईसी सदस्य श्री मुजाहिद, श्री प्रिय देव ठाकुर, फोरम के संयुक्त सचिव श्री रमेश, लोक सचिव श्रीमती अरुणा ज्योति और जिला विज्ञान अधिकारी श्री धर्मेंद्र ने मुख्य रूप से भाग लिया।

इनके साथ ही कार्यक्रम में श्री जी. राजकुमार, श्री राजेंद्र, श्री श्रीकांत, श्रीमती अर्चना, श्रीमती हेमावती, श्री रामकृष्ण रेड्डी, सेक्टोरियल अधिकारी श्रीमती कनीज फातिमा, श्रीमती उमादेवी, श्रीमती आधुनिका, श्री अनवर बशीर अहमद, सरस्वती, ख्वाजा शोएब अहमद, गिरिजा, अज़मत, श्रीकांत, लावण्या, मधुकर, रमाकांत, वल्लीस्वरूपी मिर्जा, किरण, अनिल, कृष्णा, गौसिया, लक्ष्मीपति, अनूप सागर, रहमान, सतीश, राजेंद्र, परमेश, खुशाल, रविकांत, पूर्णिमा, दामोदर, एजाज, रवि, मधु, रवि, शशिकला, सुनीथालता और रोशन सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा की वार्षिक आम सभा संपन्न

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक आम सभा (एजीएम) का आयोजन 31 मई 2026 को दिलसुखनगर स्थित बालाजी फैमिली ढाबा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष अशोक जिंदल ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्षभर शाखा को मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन श्रीमती श्वेता राजगोपाल अग्रवाल ने किया। उन्होंने वर्ष 2025-26 के दौरान शाखा की विभिन्न उपलब्धियों, गतिविधियों एवं समाजहित में किए गए योगदानों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में कोत्तापेट शाखा ने केंद्रीय टीम को व्यापक सहयोग प्रदान किया। साथ ही एएसटी सुपर सिंगर कार्यक्रम में शाखा सदस्यों की सक्रिय भागीदारी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि शाखा के अनेक सदस्यों को समाज की विभिन्न केंद्रीय समितियों में नेतृत्व की जिम्मेदारियां प्राप्त हुई हैं। इनमें मैरेज डाटा, शाखा विस्तार, प्रवासी कल्याण, सोशल मीडिया तथा कराधान समितियों के चेयरमैन पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एक सदस्य को केंद्रीय कार्यकारिणी में सह-नामांकित सदस्य के रूप में दायित्व सौंपा गया है। शाखा के के.एस. सदस्य सीए राजगोपाल अग्रवाल को अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान किए जाने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की गई।

इसके पश्चात सीए राजगोपाल अग्रवाल ने वर्षभर आयोजित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने आद्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा स्वागत समारोह, केंद्रीय टीम सम्मान कार्यक्रम, सावन की सैर, स्वतंत्रता दिवस समारोह, सदस्यता अभियान, डीईसी डांडिया धमाल एवं होली मिलन समारोह सहित विभिन्न आयोजनों का उल्लेख किया। उपस्थित सदस्यों ने शाखा की सक्रियता एवं समाजहित में किए गए कार्यों की सराहना की।

सभा के दौरान कार्यकारिणी सदस्य सीए दिनेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि शाखा की युवा पीढ़ी ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवसर पर आठ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की गई तथा उन्हें अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के प्रतिनिधियों एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

शाखा सचिव राजेश अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद ने युवाओं को विभिन्न करियर अवसरों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने समाज द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम में स्वयंसेवक के रूप में आगे आने का भी आह्वान किया।

मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक सुरेश टंडन ने कोत्तापेट शाखा की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए संगठन की एकता एवं सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन में शक्ति का संदेश देते हुए समाज को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

शाखा कोषाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने सदस्यता अभियान को गति देने की अपील की तथा समाज की वेबसाइट की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य महेंद्र अग्रवाल ने मैरेज डाटा समिति की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए विवाह योग्य युवक-युवतियों का विवरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने गौसेवा सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं समाज विकास से जुड़े अनेक सुझाव प्रस्तुत किए। शाखा पदाधिकारियों ने सभी सुझावों पर सकारात्मक विचार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक सुरेश टंडन, समिति चेयरमैन पंकज संघी, जितेंद्र तथा शाखा के वरिष्ठ सलाहकार विनोद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शाखा की ओर से कार्यकारिणी समिति के सदस्य सीए दिनेश अग्रवाल, दिनेश पोद्दार, कविता अग्रवाल, रजनी गुप्ता, मनीष अग्रवाल एवं भरत अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अंत में अध्यक्ष अशोक जिंदल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई सभा के पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक दोपहर भोज का आनंद लिया।

टी.एस. रेड्डी को एमएपीएस से मिला ग्लोबल मास्टर सम्मान

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

विजयवाड़ा के रहने वाले प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट और डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफर टी.एस. रेड्डी ने वैश्विक स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर देश का मान बढ़ाया है। उन्हें उनके बेहतरीन डॉक्यूमेंट्री पोर्टफोलियो ''रिस्क एज जॉब: द डेली सागा ऑफ आर्टिसानल कोल माइनर्स'' के लिए प्रतिष्ठित 'मास्टर ऑफ द ऑस्ट्रेलियन फोटोग्राफिक सोसाइटी' (एमएपीएस) की उपाधि से सम्मानित किया गया है। न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया से ऑस्ट्रेलियन फोटोग्राफिक सोसाइटी की सचिव स्टेला फावा ने 29 मई 2026 को आधिकारिक तौर पर इस सम्मान की घोषणा की। यह सम्मान सोसाइटी के अत्यंत कठिन और कड़े 'पैनल चैलेंज सिस्टम' के माध्यम से प्रदान किया गया है, जो फोटोग्राफिक कलात्मकता और विजुअल स्टोरीटेलिंग में असाधारण उत्कृष्टता की पहचान करता है।

इस साल की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि वर्ष 2026 में दुनिया भर से केवल दो फोटोग्राफरों को ही इस मास्टर-स्तरीय सम्मान के लिए चुना गया है, जो रेड्डी की इस असाधारण सफलता के महत्व को दर्शाता है। उनके इस बहुप्रशंसित पोर्टफोलियो में दक्षिण भारत के सिंगारेनी कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरों के जीवन, उनके साहस, दैनिक कठिनाइयों और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को तस्वीरों के जरिए बेहद संजीदगी से उकेरा गया है। आंध्र प्रदेश के उंडावल्ली में जन्मे टी.एस. रेड्डी का फोटो जर्नलिज्म, डॉक्यूमेंट्री, वाइल्डलाइफ, नेचर और ट्रैवल फोटोग्राफी में कई दशकों का एक शानदार और प्रतिष्ठित करियर रहा है। उनकी प्रभावशाली विजुअल कहानियों ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर व्यापक पहचान दिलाई है। टी.एस. रेड्डी को अब तक कुल 189 पदक, 494 पुरस्कार और 896 योग्यता प्रमाण पत्र मिल चुके हैं, जबकि उनकी 5,872 तस्वीरें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शित की जा चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने फोटोग्राफी पर 14 पुस्तकें भी लिखी हैं, जिससे देश भर के लगभग 73,000 फोटोग्राफी प्रेमियों और पेशेवरों को लाभ मिला है।

सेटविन केंद्रों का होगा विस्तार, कई नए विधानसभा क्षेत्रों में खुलेंगे प्रशिक्षण केंद्र : एन. गिरिधर रेड्डी

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम सेटविन ने राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों एवं प्रमुख स्थानों पर नए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को पुरानी हवेली स्थित सेटविन के मुख्य कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में नवनियुक्त चेयरमैन एन. गिरिधर रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा पृथक तेलंगाना राज्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन एन. गिरिधर रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना समय की मांग है।

उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सेटविन द्वारा राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों और महत्वपूर्ण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और रोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकें।एन. गिरिधर रेड्डी ने कहा कि सेटविन आने वाले समय में आधुनिक तकनीकों, उद्योगों की आवश्यकताओं तथा स्वरोजगार आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देते हुए अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करेगा। इससे राज्य के हजारों युवाओं को लाभ मिलेगा और उनके आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था की 78वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद (भारत) द्वारा 78वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन हर्षोल्लास एवं साहित्यिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सहभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि यह गोष्ठी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि इसके साथ ही संस्था अपनी साहित्यिक यात्रा के छह सफल वर्ष पूर्ण कर सातवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की वरिष्ठ सदस्या एवं संरक्षक किरन सिंह द्वारा स्वरचित सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुआ। इसके पश्चात शहर की वरिष्ठ कवयित्री सुषमा बैद के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

गोष्ठी के प्रथम सत्र में छायावाद के प्रमुख कवि सुमित्रानंदन पंत तथा प्रसिद्ध व्यंग्यकार शरद जोशी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा आयोजित की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में सरिता सुराणा ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि थे, जिन्होंने लगभग 60 वर्षों तक साहित्य साधना करते हुए छायावाद से लेकर प्रगतिवाद तक विभिन्न धाराओं में उत्कृष्ट रचनाएं कीं। दर्शन सिंह ने चर्चा में भाग लेते हुए पंत की प्रसिद्ध पंक्तियां उद्धृत कीं और उनके साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ साहित्यकार गजानन पाण्डेय ने कहा कि शरद जोशी उच्चकोटि के व्यंग्यकार थे, जिन्होंने सामाजिक असमानताओं और भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी लेखनी को सशक्त माध्यम बनाया। द्वितीय सत्र में वरिष्ठ गीतकार विनीता शर्मा ने 'माँ की पाती' रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वरिष्ठ कवयित्री शोभा देशपांडे ने शरद जोशी की चर्चित रचना 'समस्याओं के घाट पर तौलिया लपेटे खड़े हैं' का प्रभावशाली वाचन किया।

हैदराबाद से अमिता श्रीवास्तव ने 'चाँद करवट बदल रहा' शीर्षक रचना प्रस्तुत की, जबकि कोलकाता से सुशीला सुराणा ने 'मुझे हिस्सों में मत बांटो' का पाठ किया। सिलीगुड़ी से बबीता अग्रवाल कंवल ने अपनी ग़ज़ल 'किसी से न जाने कब मुलाकात हो आखिरी बार' को तरन्नुम में प्रस्तुत कर समां बांध दिया।

युवा कवयित्री एवं आईटी प्रोफेशनल श्रीया धपोला ने दहेज हत्या जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर अपनी कविता की पंक्तियां प्रस्तुत कीं। गजानन पाण्डेय ने लघुकथा 'जिंदगी मुस्कुराई' का वाचन किया। बेंगलुरु से एडवोकेट एवं कवयित्री अमृता श्री ने प्रेरणादायक बोधकथा सुनाई। दर्शन सिंह ने पंजाबी मिश्रित हिन्दी में अपनी रचना प्रस्तुत की, जबकि के. कुमार प्रसन्ना ने 'इंसानियत के दायरे से निकलकर हैवानियत' शीर्षक रचना का पाठ किया। आर्या झा ने 'आंसुओं को छुपाना सीख लिया है' जैसी भावपूर्ण रचना सुनाई तथा वर्षा शर्मा ने अपनी ग़ज़ल प्रस्तुत की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में सरिता सुराणा ने सभी रचनाकारों की सराहना करते हुए कहा कि गोष्ठी में कविता, ग़ज़ल, लघुकथा, बोधकथा और व्यंग्य सहित विभिन्न साहित्यिक विधाओं का सुंदर संगम देखने को मिला। उन्होंने वर्तमान समय में विश्वभर में व्याप्त अशांति और युद्ध की आशंकाओं के बीच मानवीय मूल्यों के क्षरण पर आधारित अपनी रचना 'विचलित हूं मैं' का भी प्रभावशाली पाठ किया।

इस अवसर पर उन्होंने संस्था द्वारा संचालित सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले छाछ वितरण कार्यक्रम की जानकारी भी साझा की। आर्या झा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी का सफल समापन हुआ।

तेलंगाना राज्य का गठन शहीदों के बलिदान और लोकतांत्रिक संघर्षों का प्रतीक : राज्यपाल

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा है कि राज्य का गठन शहीदों के बलिदानों और कई दशकों तक चले लोकतांत्रिक संघर्षों का प्रतीक है।

राज्यपाल ने मंगलवार को लोक भवन में तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन लोगों को याद किया, जिन्होंने अलग राज्य के सपने को साकार करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उन्होंने तेलंगाना के लोगों और दुनिया भर में रह रहे तेलंगाना के मूल निवासियों को भी शुभकामनाएं दीं।राज्यपाल ने इस मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस बलों से गार्ड ऑफ ऑनर ली।

राज्यपाल ने सभा में जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी (माता और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं) सूक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि मातृभूमि हमेशा स्वर्ग से भी श्रेष्ठ होती है। उन्होंने लोगों से उन सभी को याद करने और उनका सम्मान करने का आह्वान किया, जिन्होंने आधुनिक तेलंगाना के निर्माण की नींव रखी। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना की सदियों पुरानी संस्कृति, परंपराएं और ग्रामीण कृषि विरासत ही राज्य की वास्तविक आत्मा हैं। उन्होंने किसानों के प्रयासों की सराहना की और उल्लेख किया कि काकतीय काल के दौरान बनाये गये तालाबों के शृंखला तंत्र से लेकर आधुनिक सिंचाई परियोजनाओं तक, तेलंगाना एक उपजाऊ और समृद्ध भूमि में बदल गया है।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना ने न केवल कृषि में, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की है। संवैधानिक मूल्यों और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' (सभी सुखी हों) के सिद्धांत से प्रेरित होकर राज्यपाल ने एक ऐसे समृद्ध तेलंगाना के विकास की आशा व्यक्त की जहां ग्रामीण और शहरी विकास, कल्याण और आधुनिकीकरण एक साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ें। श्री शुक्ला ने विश्वास जताया कि तेलंगाना और अधिक प्रगति हासिल करना जारी रखेगा तथा देश के विकास में प्रमुख भूमिका निभायेगा।

समारोह में राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम दाना किशोर, संयुक्त सचिव शशि किरण चारी, लोक भवन के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य कर्मी शामिल हुए।

28 राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बिखेरे एकता के रंग, एनसीसी कैडेट्स ने किया मार्च पास्ट

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मंचीय सत्र से पूर्व देश के 28 राज्यों की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य एवं पारंपरिक कलाओं की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। विविधता में एकता का संदेश देती इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे परिसर को देशभक्ति एवं सांस्कृतिक उत्साह से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा भव्य मार्च पास्ट भी प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान एवं राष्ट्रीय एकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

समारोह में पूज्य साध्वी कपिला गोपाल सरस्वतीजी, भारत भारती के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष विनय पत्राले, राष्ट्रीय संगठन मंत्री जगन्नाथ स्वाई, दक्षिण प्रभारी डॉ. मीनाक्षी, सचिव कर्नल नागेश, संगठन मंत्री प्रीतम पांडेय, कनक कुमार, हरि नायर, रवि अनुपाल, सुरेश कुमार, संयोजक आले भास्कर, प्रोटोकॉल विभाग संयोजक जसमत भाई पटेल, सीबीआई के पूर्व निदेशक लक्ष्मीनारायण, एम. अरुणा ज्योति, चंद्रकांत चौहान, विशाखापट्टनम से खेताभाई लींबाणी, प्रवण भाई, श्री हैदराबाद कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के ट्रस्टी चेयरमैन रामजी भाई रामाणी, महामंत्री शंकरभाई रामाणी, श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के ट्रस्टी चेयरमैन कांतिलाल गोराणी, भूतपूर्व महामंत्री हंसराजभाई दड़गा, प्रकाशन मंत्री केशवलाल चौधरी, रिद्धीश जागीरदार, रंजना शाह, वीरेन्द्र अग्रवाल, तरुण मेहता, मुकेश चौहान, जसवंत सुरानी, धनजी भाई पटेल, शशिकला कोठारी, दादू पटेल, आर.के. जैन, अविनाश देवड़ा, गोविन्द शाह, डॉ. मोहन गुप्ता, सोहनलाल कडेल, हरिकिशन ओझा तथा कमलेश महाराज सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल समाज तेलंगाना, हरियाणा नागरिक संघ, तेलंगाना गुजराती समाज, श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद, साइबराबाद गुजराती एसोसिएशन, श्री पाटीदार समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, श्री गुजराती पाटीदार समाज हैदराबाद, श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद, श्री कच्छी मित्र मंडल हैदराबाद, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा समाज, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, श्री माली समाज, तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा, वल्लभ यूथ ऑर्गेनाइजेशन, पूज्य रामचन्द्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, गोवत्स फाउंडेशन, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन, तेलंगाना गौ सेवा समिति, तेलंगाना जाट समाज, अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, गुजराती मूवी क्लब हैदराबाद, सीरवी समाज हैदराबाद एवं तेलंगाना, राजस्थानी प्रगति समाज तथा एटलस जागीरदार सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और सामाजिक सहयोग के संदेश के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तेलंगाना का 2034 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य: विक्रमार्क

खम्मम, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को 2034 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और 2047 तक तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है।

श्री विक्रमार्क ने खम्मम के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों के साथ काम कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने इंदिरम्मा कुटुंबा जीविका बीमा पथकम योजना के शुरुआत की घोषणा की, जिसके अंतर्गत राज्य में 1.15 करोड़ परिवारों को आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना पांच लाख रुपये का मुफ्त जीवन बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा।

खम्मम जिले में कल्याण और विकास कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए श्री विक्रमार्क ने कहा कि इंदिराम्मा आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के खातों में 441 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं और 8,200 से अधिक घरों का निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि महालक्ष्मी योजना, मुफ्त आरटीसी बस यात्रा और गृह ज्योति मुफ्त बिजली कार्यक्रम के माध्यम से जिले की महिलाओं को बहुत लाभ हुआ है।

उपमुख्यमंत्री ने आगे घोषणा किया कि सरकारी स्कूलों में प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक के छात्रों के लिए 2026-27 शैक्षणिक वर्ष से मुफ्त पौष्टिक नाश्ता योजना शुरू की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा खाली पेट स्कूल में न रहे। श्री विक्रमार्क ने कहा कि सरकार हरित ऊर्जा, सिंचाई, अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना क्योर, प्योर एंड रेयर आर्थिक मॉडल के अंतर्गत योजनाबद्ध तकीके से विकास कर रहा है। उन्होंने तेलंगाना स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और राज्य की प्रगति में योगदान देने के लिए जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और तेलंगाना शहीदों के परिवारों को धन्यवाद दिया।

सनतनगर में महिलाओं ने तेलंगाना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता, पिंकी, नीता,रेखा, सोनिया,मधु, उमा, उर्मिला, नविता, प्रमिला ,रेखा, सुनीता व अन्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना की आकांक्षाएं अभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई हैं : भाकपा

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकपा ने कहा है कि राज्य आर्थिक समानता और आम लोगों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लक्ष्य से अभी भी दूर है तथा उसकी आकांक्षाएं अभी भी साकार नहीं हुई हैं। भाकपा के प्रदेश सचिव एवं विधायक कुनमनेनी संबाशिव राव यहां मखदूम भवन में आयोजित तेलंगाना गठन दिवस समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कहा कि भाकपा ने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष और अलग राज्य के दर्जे के आंदोलनों में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने निजाम शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के दौरान दिए गए बलिदानों को याद करते हुए लगभग 5,000 कम्युनिस्टों के उत्पीड़न और बंधुआ मजदूरी के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राण उत्सर्ग करने का जिक्र किया।

झूठे प्रचार, भ्रामक वादों के दम पर सत्ता में आयी कांग्रेस : बीआरएस

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी झूठे प्रचार और भ्रामक वादों के दम पर सत्ता में आयी थी।

श्री रामाराव ने तेलंगाना भवन में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पिछली बीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ और दुर्भावनापूर्ण अभियानों के ज़रिये तेलंगाना की राजनीति को दूषित कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अपने कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा करने के बावजूद, कांग्रेस सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है और उसने तेलंगाना को 25 साल पीछे धकेल दिया है। केटीआर ने सरकार पर किसानों, बेरोज़गारी के मुद्दों, सिंचाई परियोजनाओं और कानून-व्यवस्था की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

श्री रामाराव ने कहा कि किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 'रैतु बंधु' सहायता, खाद और खरीद संबंधी सहायता समय पर उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर सिंचाई परियोजनाओं को निशाना बनाकर केसीआर की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

श्री रामाराव ने आरोप लगाया कि बेरोज़गार युवाओं और छात्रों को झूठे आश्वासनों के ज़रिये ठगा गया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि वे बिना पुलिस सुरक्षा के सीधे बेरोज़गार युवाओं का सामना करें।

उन्होंने दावा किया कि पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन भड़क रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान, बेरोज़गार युवा, कर्मचारी और पेंशनभोगी सरकार के कामकाज से नाखुश हैं। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का भी आरोप लगाया और सरकार पर लोगों को लाभ पहुंचाए बिना कर्ज़ बढ़ाने का इल्ज़ाम लगाया।

गन पार्क में टीडीपी नेताओं ने अमरवीरों को दी श्रद्धांजलि युवाओं से विकास की राह पर चलने का आह्वान

हैदराबाद, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं ने गन पार्क स्थित अमरवीरों के स्मारक पर पहुंचकर तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बलिदानों को स्मरण किया।

इस अवसर पर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र टीडीपी एडहॉक कमेटी सदस्य के.डी. दिनेश ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन में विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है तथा तेलुगु देशम पार्टी ने भी इस दिशा में अपना योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान टीडीपी ने ''दो आंखों के सिद्धांत'' के तहत दोनों क्षेत्रों के साथ न्याय करने की नीति अपनाई थी। साथ ही पार्टी नेतृत्व ने आंदोलन के दौरान युवाओं से आत्महत्या जैसे कदम न उठाने की अपील भी की थी। के.डी. दिनेश ने कहा कि तेलंगाना राज्य गठन के समर्थन में स्पष्ट रुख अपनाने और केंद्र सरकार को पत्र देने में पार्टी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद अब समय विकास, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने का है। केवल क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से राज्य का विकास संभव नहीं है। तेलंगाना को आगे बढ़ाने के लिए उद्योगों की स्थापना, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना आवश्यक है।

के.डी. दिनेश ने कहा कि आज देश के विभिन्न राज्यों के लोग तेलंगाना में आकर व्यवसाय और रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

यदि निवेश का अनुकूल वातावरण बनेगा तो राज्य में और अधिक उद्योग स्थापित होंगे, जिससे युवाओं को व्यापक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और राज्य का समग्र विकास संभव होगा।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के भ्रामक प्रचार या स्वार्थी राजनीति से प्रभावित न हों तथा अपने भविष्य, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि सही दिशा में प्रयास करने से युवा समाज और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम में टीडीपी नेता एच. आनंद सिंह, यू. प्रेम, किशन राव, सुरेंद्र सिंह, के. शिवलाल सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सिद्दीपेट में खड़ी लॉरी से कार की टक्कर में दो की मौत, दो घायल

सिद्दीपेट, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सिद्दीपेट जिले के मिट्टापल्ली के पास मंगलवार को एक खड़ी लॉरी से कार टकराने से एक महिला सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना चालक के वाहन से नियंत्रण खो देने के कारण हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को इलाज के लिए सिद्दीपेट के एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। मृतकों की पहचान मनुगुरु निवासी के रूप में हुई है। यातायात प्रवाह सुचारू बनाने के लिये क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से सड़क से हटाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

आंध्र : झोपड़ी में आग लगी, सोते हुए दो महिलाओं की मौत

एलुरु, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के वेलेरुपड़ु गांव में एक झोपड़ी में आग लगने से दो महिलाओं की जलकर मौत हो गयी।

पुलिस ने कहा कि आग तेजी से दूसरी झोपड़ियों में भी फैल गयी। उनका घर पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। मृतक महिलाएं सो रही थीं इसलिए घर से बाहर नहीं आ सकीं।

इसके कारण उनके शरीर पूरी तरह जल गये। मृतकों का नाम वलगनी सवित्रा (60) और सिगा पूलम्मा (65) है। दमकल विभाग की गाड़ियों ने जब तक आग पर काबू पाया, तब तक दो घर जलकर खाक हो चुके ते। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.